डाक पंजीकरण संख्या MP/IDC/1619/2024-2026
RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

दैनिक सद्भावना पाती

प्राणियों में सद्भावना हो

डॉ. देवेन्द्र मालवीय
प्रधान संपादक

14 वर्ष

www.sadbhawnapaati.com | sadbhawnapaatinews@gmail.com | इंदौर, गुरुवार 20 अगस्त, 2026 | वर्ष:: 14 अंक:: 113 | मूल्य -1 रु. | कुल पृष्ठ - 8

सम्पादकीय

मानसून की बेरुखी और इंदौर का पानी: आने वाले महीनों की चुनौती

डॉ देवेंद्र मालवीय
संपादक, सदभावना पाती

इंदौर में मानसून की धीमी रफ्तार केवल मौसम का बदलाव नहीं, बल्कि आने वाले महीनों के लिए एक गंभीर संकेत है। शहर की बढ़ती आबादी और लगातार बढ़ती पानी की मांग के बीच बारिश ही जलस्रोतों और भूजल को पुनर्भरण देने का सबसे बड़ा आधार है। ऐसे में कम बारिश का असर आज भले स्पष्ट दिखाई न दे, लेकिन इसका दबाव आने वाले समय में महसूस होना तय है। इंदौर को नर्मदा का पानी जरूर मिल रहा है, लेकिन किसी भी शहर की जल सुरक्षा केवल बाहरी स्रोतों पर निर्भर नहीं रह सकती। गंभीर नदी, तालाब, कुएं और भूजल जैसे स्थानीय जलस्रोतों का संरक्षण भी उतना ही जरूरी है। बारिश कम होने की स्थिति में जल संरक्षण और वर्षाजल संचयन को अभियान नहीं, स्थायी व्यवस्था बनाना होगा। सबसे बड़ी जरूरत यह है कि प्रशासन अभी से संभावित जल संकट की तैयारी करे। जलस्रोतों की स्थिति का आकलन, लीकेज पर नियंत्रण, पानी की बर्बादी रोकने के प्रयास और रेन वाटर हार्वेस्टिंग को प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए।

मानसून कब तेज होगा, यह हमारे नियंत्रण में नहीं है, लेकिन उपलब्ध पानी को कैसे बचाया जाए, यह हमारे हाथ में है। इंदौर को संकट आने का इंतजार नहीं, संकट से पहले तैयारी की जरूरत है।

रक्षाबंधन से पहले सीएम यादव का बड़ा तोहफा

● प्रदेश की लाड़ली बहनों के खाते में डाल दी 39वीं किस्त ● मां शारदा के दर्शन किए, मां शारदा लोक का भूमिपूजन भी किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार को मैहर पहुंचे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। हेलीपैड पर पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री कार से सीधे विश्व प्रसिद्ध मां शारदा मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने मां शारदा के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। दर्शन-पूजन के बाद मुख्यमंत्री कार से मैहर के अल्लाउद्दीन खां स्टेडियम पहुंचे, जहां राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के बैंक खातों में लाड़ली बहना योजना की

39वीं किस्त सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की।

मुख्यमंत्री ने एक साथ 2,148.30 करोड़ रुपये की राशि लाभार्थी महिलाओं के खातों में भेजी। राशि अंतरण के दौरान कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लाड़ली बहनों में उत्साह नजर आया। राशि अंतरण के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यक्रम में मौजूद लाड़ली बहनों को संबोधित किया। उन्होंने महिला सशक्तिकरण और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का विस्तार से उल्लेख किया।

मां शारदा लोक फेज-1 का भूमिपूजन

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मैहर में बनने वाले मां शारदा लोक फेज-1 का वर्चुअली भूमिपूजन भी किया। करीब 8.95 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित इस परियोजना को मैहर के धार्मिक और पर्यटन विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मां शारदा मंदिर मैहर की धार्मिक पहचान देशभर में है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मां शारदा लोक के विकास से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और मैहर के धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की उम्मीद है।

सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

मुख्यमंत्री के मैहर आगमन को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने विशेष सुरक्षा व्यवस्था की थी। हेलीपैड से लेकर मां शारदा मंदिर और अलाउद्दीन खां स्टेडियम तक सुरक्षा बल तैनात रहे। शहर में भी मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक स्तर पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। मुख्यमंत्री का मैहर दौरा धार्मिक दर्शन के साथ राज्य स्तरीय जनकल्याणकारी कार्यक्रम के लिहाज से भी महत्वपूर्ण रहा। मुख्यमंत्री ने मां शारदा के दर्शन किए, लाड़ली बहनों के खातों में 2,148.30 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की और मां शारदा लोक फेज-1 के निर्माण कार्य का वर्चुअली भूमिपूजन किया।

बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं माता-पिता

● सुप्रीम कोर्ट का आदेश, कहा-असुरक्षा या अपमान नहीं होना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि सीनियर सिटीजन्स अपने बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि बढ़ती उम्र का मतलब असुरक्षा या अपमान नहीं होना

● कोर्ट ने कहा-उन्हें सम्मान और सुरक्षा देना सभ्य समाज की पहचान

चाहिए। हर व्यक्ति को जीवनभर गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को भी पलट दिया, जिसमें बेटे और बहू को मकान से बेदखल करने के ट्रिब्यूनल कोर्ट के आदेश को रद्द किया गया था। कोर्ट ने कहा कि बुजुर्गों की गरिमा के लिए ट्रिब्यूनल के पास बच्चों को संपत्ति से निकालने का आदेश देने का अधिकार है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस

आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि कानून का मकसद बुजुर्गों की गरिमा और सुरक्षा तय करना है। सभ्य समाज का स्तर अक्सर इस बात से तय होता है कि वह अपने बुजुर्गों को कितनी गरिमा, सम्मान और सुरक्षा देता है।

हाईकोर्ट ने बेदखली का आदेश रद्द किया था

बेटे और बहू ने एसडीएम और जिला मजिस्ट्रेट के आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने कहा था कि 2007 का कानून बुजुर्गों को अपनी संपत्ति से बच्चों को बेदखल करने का अधिकार नहीं देता। इसके बाद दोनों आदेश रद्द कर दिए गए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने ट्रिब्यूनल के आदेश में दखल देकर गलती की। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि भरण-पोषण और सुरक्षा के लिए जरूरी होने पर ट्रिब्यूनल बेदखली का आदेश दे सकता है। कोर्ट ने कहा कि एक्ट की धारा 7 के तहत ट्रिब्यूनल बनाए गए हैं और धारा 8 उन्हें सिविल कोर्ट जैसी शक्तियां देती है। वहीं, धारा 27 सिविल कोर्ट के अधिकार क्षेत्र पर रोक लगाती है।

सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने कहा-पूरी प्रक्रिया बेहद गोपनीय रखी जाती है

नीट परीक्षा सिस्टम फुलप्रूफ इसमें सेंध लगाना मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि नीट परीक्षा सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित है। इसमें सेंध लगाना मुश्किल है। पेपर तैयार करने से लेकर एग्जाम सेंटर में

पहुंचने तक पूरी प्रक्रिया को बेहद गोपनीयता रखा जाता है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से यूपीएससी जैसा मजबूत परीक्षा सिस्टम बनाने को कहा। कोर्ट ने कहा कि नई टेक्नोलॉजी समझने वाले अधिकारियों को शामिल करना चाहिए। साथ ही अनुभवी अधिकारियों के बार-बार ट्रांसफर से बचने की सलाह दी। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई की। इनमें एनटीए को भंग करने और पेपर लीक रोकने के लिए मजबूत निगरानी सिस्टम की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने तीन महीने बाद दोबारा कहा कि एनटीए को यूपीएससी की तरह ऐसा मजबूत सिस्टम बनाना चाहिए, जिसमें परीक्षा कराने का अनुभव अधिकारियों के ट्रांसफर होने के बाद भी संस्था के पास बना रहे। कोर्ट ने कहा कि कागज पर प्रक्रिया बेहतर दिख सकती है।

कोलकाता की पांच मंजिला बिल्डिंग में लगी भीषण आग

● 9 लोगों की मौत, इनमें कुछ बांग्लादेशी नागरिक शामिल

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के मिर्जा गालिब स्ट्रीट स्थित पांच मंजिला बिल्डिंग में मंगलवार रात करीब 1.45 बजे आग लग गई। बिल्डिंग के अंदर कई होटल थे। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, इनमें 2 महिलाएं और एक 4 साल का बच्चा शामिल है। सभी बेहोशी की

हालत में मिले थे। 6 लोग घायल हुए हैं। अब तक 80 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। आग लगने के वक्त होटलों में ज्यादातर लोग सो रहे थे। बिल्डिंग में धुआं भरने के कारण उनका दम घुटने लगा। मरने वालों में भारतीय और बांग्लादेशी नागरिक शामिल हैं। लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। आग की सूचना मिलते ही दमकल की 5 गाड़ियां, पुलिस और डिजास्टर मैनेजमेंट की टीमें मौके पर पहुंचीं।

इंदौर में 100 करोड़ का बस टर्मिनल, बसें नहीं चलीं तो लग गई भंडारे की पंगत!

● दो साल से तैयार आईएसबीटी में नहीं शुरू हुआ संचालन, यात्रियों की सीटों पर श्रद्धालुओं को परोसी गई पूड़ी-सब्जी; आईडीए बोला—आयोजन की अनुमति नहीं ली गई

इंदौर। शहर में विकास कार्यों का अजब हाल है। अभी 40 करोड़ की स्मार्ट सिटी सड़क पानी की पाइपलाइन की टेस्टिंग में धंसने का मामला सामने आया था, अब 100 करोड़ रुपए की लागत से बने इंटरस्टेट बस टर्मिनल (आईएसबीटी) में बसों की जगह धार्मिक भंडारा आयोजित होने का मामला सामने आया है। एमआर-10 पर बना यह बस टर्मिनल करीब दो साल से तैयार है, लेकिन अब तक इसका नियमित संचालन शुरू नहीं हो पाया है। दावा किया गया था कि यहां एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं होंगी और प्रतिदिन करीब 1500 बसों का संचालन किया जाएगा। सावन मास के अवसर पर आईएसबीटी परिसर में स्थित प्राचीन शिव मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया। परिसर में पूड़ियां तली गईं और यात्रियों के बैठने के लिए बनाई गई सीटों पर श्रद्धालुओं की पंगत लगाकर पूड़ी-सब्जी परोसी गई। आयोजन में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। बताया जा रहा है कि स्थानीय निवासी सुभाष चौधरी द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया था। इसमें शहर कांग्रेस के पदाधिकारी और पार्षद भी शामिल हुए। सबसे दिलचस्प बात यह है कि इतने बड़े आयोजन की आईडीए के जिम्मेदार अधिकारियों को जानकारी तक नहीं थी। अधिकारियों का कहना

है कि आयोजन के लिए आईडीए से कोई अनुमति नहीं ली गई थी और मामले की जांच कराई जाएगी। सवाल यह है कि करोड़ों रुपए खर्च कर बनाए गए बस टर्मिनल का संचालन कब शुरू होगा और कब यहां बसें यात्रियों को सुविधा देंगी? फिलहाल तो करोड़ों का टर्मिनल बसों के इंतजार में है और उसकी सीटों पर भंडारे की पंगत जरूर लग रही है।

● ट्रांसपोर्ट मंत्री बोले-पहले नोटिस देंगे, 3 महीने में नहीं सीखे तो लाइसेंस रद्द होगा

मराठी नहीं जानने वाले महाराष्ट्र में ऑटो-टैक्सी नहीं चला पाएंगे

मुंबई (एजेंसी)। मराठी भाषा नहीं जानने वाले ड्राइवर अब महाराष्ट्र में ऑटो-टैक्सी नहीं चला पाएंगे। राज्य सरकार 20 अगस्त से उन ऑटो-रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों के खिलाफ अभियान शुरू करने वाली है, जिनके पास मराठी का 'वर्किंग नॉलेज' नहीं है। ट्रांसपोर्ट मंत्री प्रताप सरनाईक ने बुधवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि ड्राइवरों को पहले नोटिस देकर 3 महीने में मराठी सीखने का मौका दिया जाएगा। इसके बाद भी मराठी नहीं सीखने

पर लाइसेंस और बैज सस्पेंड किया जाएगा। यह अभियान पूरे राज्य में एक महीने तक चलेगा। अतिरिक्त परिवहन आयुक्त रवि गायकवाड़ पूरे महाराष्ट्र में इस एक महीने के अभियान की निगरानी करेंगे। परिवहन की फ्लाइंग स्क्वॉड ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों की जांच करेंगी और नए नियमों का पालन हो रहा है या नहीं, यह देखेंगी। जांच के दौरान वेरिफिकेशन की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की जाएगी।

वर्किंग नॉलेज का मतलब साफ नहीं, ड्राइवरों में चिंता

सेवा सारथी ऑटो-रिक्शा टैक्सी एंड ट्रांसपोर्ट यूनियन के नेता डीएम गोसावी ने कहा कि सरकार ने मराठी का वर्किंग नॉलेज होना जरूरी कर दिया है, लेकिन यह साफ नहीं किया कि आखिर कितनी मराठी जानना जरूरी होगी। उनका कहना है कि नियम स्पष्ट नहीं होने पर ग्रुप में भ्रष्टाचार और ड्राइवरों के आर्थिक शोषण की आशंका बढ़ सकती है। महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में ऑटो-टैक्सी ड्राइवर दूसरे राज्यों से आए हुए हैं और उन्हें मराठी नहीं आती है। महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में ऑटो और टैक्सी ड्राइवर यूपी, बिहार और दूसरे राज्यों से आते हैं। इनमें कई ड्राइवरों को मराठी नहीं आती या वे बहुत कम मराठी बोल पाते हैं। ऐसे ड्राइवरों को लाइसेंस और परमिट रद्द होने का डर है।

करीब 6 लाख ड्राइवरों को मराठी सिखाने की योजना

सरकार के मुताबिक, महाराष्ट्र में करीब 9.16 लाख ऑटो-रिक्शा और 61,657 टैक्सियां हैं। इनमें बड़ी संख्या मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में चलती हैं। सरकार करीब 6 लाख ऑटो-टैक्सी ड्राइवरों को मराठी सीखने की पहल से जोड़ना चाहती है। सरनाईक ने बताया कि कुछ महीने पहले शुरू किए गए इस अभियान में अब तक 1,65,601 ड्राइवर शामिल हो चुके हैं। महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में ऑटो और टैक्सी ड्राइवर दूसरे राज्यों से आते हैं। इनमें कई ड्राइवरों को मराठी नहीं आती या वे बहुत कम मराठी बोल पाते हैं। ऐसे ड्राइवरों को लाइसेंस और परमिट रद्द होने का डर है।

डाकिए का इंतजार खत्म! आसमान से पहुंचेगी चिट्ठी-पार्सल

● असम और हिमाचल में ड्रोन सेवा की शुरुआत, व्यवस्था का विस्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दूर-दराज के गांवों तक डाक पहुंचाने का तरीका बदलने जा रहा है। पहाड़ों और मुश्किल रास्तों के बीच अब डाक का इंतजार कम होगा। इंडिया पोस्ट ने दुर्गम इलाकों में डाक के बैग पहुंचाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल शुरू किया है। हिमाचल प्रदेश में 12 जून से मंडी-रेहड़धार मार्ग पर इसकी शुरुआत हुई और अब असम में भी पहली ड्रोन उड़ान के साथ इस व्यवस्था का विस्तार किया गया है। विभाग का लक्ष्य असम और हिमाचल प्रदेश में करीब 150 निर्धारित मार्गों पर ड्रोन आधारित डाक सेवा शुरू करना है।

असम में पहली बार ड्रोन से पहुंची डाक- द ट्रिब्यून की खबर के मुताबिक, असम में इस सप्ताह पहली बार डाक के बैग पहुंचाने के लिए ड्रोन उड़ाया गया। यह पहल उन इलाकों को ध्यान में रखकर की गई है, जहां खराब सड़क, लंबी दूरी, बाढ़ या कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण

सड़क मार्ग से डाक पहुंचाने में ज्यादा समय लगता है। प्रस्तावित नेटवर्क में अकेले असम के करीब 40 मार्ग शामिल हैं। इसका मकसद दूर-दराज के क्षेत्रों में डाक सेवा को तेज और अधिक भरोसेमंद बनाना है।

सड़क बंद तो भी पहुंच सकता है डाक का बैग- अधिकारियों के मुताबिक, इस पहल का विचार सरल है। जिन रास्तों पर सड़क से डाक पहुंचाने में ज्यादा समय लगता है, वहां ड्रोन तय मार्ग से सीधे डाक का बैग पहुंचा सकते हैं। इससे मुख्य सड़कों से दूर बसे समुदायों तक पहुंच बेहतर हो सकती है। खासकर असम में मौसमी बाढ़ और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी और पहाड़ी भूभाग के कारण प्रभावित होने वाले मार्गों के लिए यह व्यवस्था उपयोगी साबित हो सकती है।

दूर गांवों तक तेज कनेक्टिविटी की उम्मीद

इंडिया पोस्ट के लिए असम में पहली ड्रोन उड़ान इस प्रयोग के अगले चरण की शुरुआत है। इसके संभावित फायदे भी बड़े हैं। ड्रोन यात्रा का समय घटा सकते हैं। मुख्य सड़कों से दूर बसे समुदायों तक डाक पहुंच बेहतर हो सकती है।

ड्रोन की उड़ान आसान लेकिन खर्च बड़ी चुनौती

हालांकि, इस बदलाव के सामने कई चुनौतियां भी हैं। सबसे बड़ी चुनौती लागत की है। इंडिया पोस्ट इस सेवा के संचालन के लिए निजी कंपनी के साथ काम कर रहा है। ऐसे में हर ड्रोन उड़ान और हर डाक बैग को पहुंचाने की लागत का आंकलन जरूरी होगा। ड्रोन के रखरखाव, कर्मचारियों, बैटरी, बीमा, तकनीक और खराब मौसम के कारण उड़ान प्रभावित होने जैसी लागत भी इसमें शामिल हो सकती है। इसलिए तेज डिलीवरी अपने आप सस्ती डिलीवरी नहीं होगी। पूरे तंत्र को लंबे समय तक चलाने की आर्थिक व्यवहार्यता भी इस प्रयोग की सफलता का अहम पैमाना होगी।

बिहार को एक और अमृत भारत की मिली सौगात

● भागलपुर को अहमदाबाद से जोड़ेगी जनरल डिब्बे नहीं होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार को एक और अमृत भारत एक्सप्रेस की सौगात मिली है। यह ट्रेन दक्षिण बिहार के भागलपुर को गुजरात के अहमदाबाद से जोड़ेगी। सप्ताह में एक दिन चलने वाले इस ट्रेन की शुरुआती यात्रा आगामी 26 अगस्त को अहमदाबाद से शुरू होगी। हम बता रहे हैं इस ट्रेन का टाइम टेबल, चलने का दिन और स्टॉपेज के बारे में। रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अहमदाबाद से भागलपुर के बीच चलने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस की सेवा सप्ताह में सिर्फ एक दिन मिलेगी।

क्रोध से युद्ध...से शांति - ज्योतिषाचार्य श्री विनोद जैन (प्रभु)

दैनिक सदभावना पाती

इंदौर। आज क्रोध में भी मिलावट हो गई है। क्रोध अब केवल क्रोध नहीं रहा–वह युद्ध बन गया है। विचारों का युद्ध, शब्दों का युद्ध, सोच का युद्ध, समझ का युद्ध। और फिर उसी क्रोध की छोटी-सी चिंगारी से युद्ध जन्म लेता है। लेकिन प्रकृति का नियम बड़ा अद्भुत है–जहाँ युद्ध होता है, वहीं किसी न किसी रूप में शुद्धि भी होती है। जहाँ विसर्जन होता है, वहीं सृजन की शुरुआत होती है। क्रोध की भी एक उम्र होती है, करो जितना करना है क्रोध... बहुत करो। पल-पल करो। लेकिन याद रखो–आग की भी एक उम्र होती है और क्रोध की भी एक उम्र होती है। एक समय आएगा जब स्वयं के भीतर चल रहा क्रोध का युद्ध समाप्त होगा। और उसी क्षण शुरू होगा– शांति... धैर्य... समझ... और ज्ञान। यही स्वयं के भीतर चल रहे युद्ध की सबसे बड़ी विजय है।

- **क्रोध के युद्ध में अहिंसा का सृजन** – स्वयं के क्रोध के युद्ध में हिंसा से अहिंसा का सृजन करना है। क्योंकि उस क्षणिक क्रोध की चिंगारी में ही कहीं न कहीं अहिंसा का बीज छिपा होता है। जहाँ क्रोध का युद्ध है,
- **वहीं उसके अंत में—शांति... शांति... और केवल शांति।**– घटना को घटित होने दो -परिणाम मत देखो। घटना को घटित होने दो। क्योंकि उसी घटना में, उसी परिणाम में कहीं न कहीं स्थायी शांति का दूत या अहिंसा की एक नई चिंगारी जन्म ले रही होती है। प्रिय और अप्रिय भी आखिर शब्दों का खेल है। यह सोच का खेल है। यह विचारों का खेल है। यह हमारी समझ का खेल है। खेल केवल इतना है कि अंततः एक शांत और मौन मन का निर्माण हो।
- दूसरों को नहीं, स्वयं को बदलना है - परिणाम दूसरों के बदलाव का नहीं होना चाहिए।
- परिणाम स्वयं के बदलाव का होना चाहिए। मैंने हमेशा अशांत मन में ही शांति के बीज का अहसास किया है।
- यही प्रकृति, नेचर और कुदरत का नियम है–सृजन और विसर्जन।
- जो बना है, वह बदलेगा। जो उग्र हुआ है, वह शांत होगा। जो अशांत है, उसमें भी शांति का जन्म संभव है।
- सोच बदलो, जीवन बदल जाएगा गलत, क्रोध और गुस्सा–अक्सर एक सोच का निर्माण होते हैं। यदि उसी समय थोड़ी धैर्य और समझ रखकर कुछ समय के लिए परिणाम को अपनी सोच से दूर कर दें और स्वयं अपनी मस्ती, आनंद और मौन में रहें–तो धीरे-धीरे सोच बदलने लगेगी।
- और जब सोच बदलती है, तो जीवन में आनंद ही आनंद, खुशी ही खुशी और खूबसूरती ही खूबसूरती दिखाई देने लगती है। बस स्वयं को बदलना है।
- स्वयं से स्वयं का सफर- स्वयं से स्वयं का सफर कभी बदला है? नहीं। न यह संसार बदला है, न बदलेगा। बदलना है तो स्वयं को– स्वयं से,समय के साथ।
- अपनी सोच में शुद्धता रखनी होगी। शब्दों में कोई मिलावट नहीं। विचारों में कोई मिलावट नहीं। समझ में कोई मिलावट नहीं। यही स्वयं के भीतर होने वाला नव-निर्माण है। सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चरित्र शायद यही वह अवसर है जब स्वयं को स्वयं से बदलने का मौका मिलता है–सम्यक दर्शन। सम्यक ज्ञान। सम्यक चरित्र।
- और अंततः यही है–क्रोध के युद्ध से स्वयं को जीतना। मोक्ष और स्वर्ग कहीं बाहर नहीं हैं।मोक्ष स्वयं में है। शांति स्वयं में है। आनंद स्वयं में है। बस स्वयं तक पहुँचने का सफर तय करना है।

शादी का झांसा देकर रेप, धर्म परिवर्तन का दबाव डाला

महिला को नमाज पढ़ने और मुस्लिम धर्म कबूल करने के लिए मजबूर करता था आरोपी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के पिपलानी इलाके में इंस्टाग्राम के जरिए हुई दोस्ती के बाद एक शादीशुदा महिला के साथ करीब साढ़े चार साल तक दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। महिला का आरोप है कि शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाए गए और बाद में उस पर मुस्लिम धर्म कबूल करने तथा नमाज पढ़ने का दबाव बनाया गया। मामले में पुलिस ने आरोपी आदिल के खिलाफ केस दर्ज किया है। फिलहाल उसकी गिरफ्तारी नहीं हुई है।

पुलिस के मुताबिक, पीड़िता शादीशुदा है और पति से उसका विवाद चल रहा है। वह ब्यूटीशियन का काम करती है। आरोपी आदिल राजगढ़ जिले का रहने वाला और शादीशुदा है। दोनों की पहचान इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी। महिला के मुताबिक, नजदीकी बढ़ने के बाद आरोपी ने शादी करने का भरोसा दिलाया और करीब साढ़े चार साल तक उसका शोषण करता रहा।

कमरे में पकड़े जाने के बाद हुआ हंगामा

दो दिन पहले हिंदू संगठनों ने महिला और आरोपी को एक कमरे में पकड़ लिया था। इसके बाद मौके पर हंगामा हुआ। मामला पुलिस तक पहुंचने पर महिला ने अपने बयान दर्ज कराए। महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी उस पर मुस्लिम धर्म स्वीकार करने और नमाज पढ़ने के लिए दबाव बनाता था।पीड़िता के बयानों के आधार पर पिपलानी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केयर लीवर्स अपने अतीत से नहीं, संकल्प और उपलब्धियों से बनाएं पहचान : मंत्री सुश्री भूरिया

संघर्ष चाहे जितना बड़ा हो, सफलता उससे बड़ी हो सकती है

भोपाल (नप्र)। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि बाल देखरेख संस्थाओं से निकलने वाले बच्चे और केयर लीवर्स केवल परिस्थितियों के शिकार नहीं, बल्कि अपने भविष्य के निर्माता हैं। सरकार का प्रयास है कि कोई भी बच्चा संरक्षण की व्यवस्था से बाहर निकलने के बाद स्वयं को अकेला न समझे, बल्कि शिक्षा, कौशल, रोजगार, सम्मान और आत्मनिर्भरता के अवसरों के साथ समाज की मुख्यधारा में अपनी पहचान बनाए। उन्होंने कहा कि संघर्ष चाहे जितना बड़ा हो, सफलता उससे बड़ी हो सकती है।

मंत्री सुश्री भूरिया आज भोपाल स्थित राज्य होटल प्रबंधन संस्थान में मिशन वात्सल्य के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कैटलिस्ट्स फॉर सोशल एक्शन के सहयोग से आयोजित बाल देखरेख संस्थाओं के बच्चों एवं केयर लीवर्स की एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि मध्यप्रदेश के केयर लीवर्स अपनी मेहनत और प्रतिभा से प्रदेश ही नहीं, देश और विदेश में भी पहचान बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेना की वर्दी में अपने बच्चों को देखकर गर्व की अनुभूति होती है। इन युवाओं की उपलब्धियां बताती हैं कि अवसर और सही मार्गदर्शन मिलने पर परिस्थितियां किसी की सफलता की राह नहीं रोक सकतीं।

नौकरी पाने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बनें युवा

मंत्री सुश्री भूरिया ने युवाओं से एकजुट रहने और अपने साथियों की मदद करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जिस युवा को रोजगार का अवसर मिले, वह अपने अन्य साथियों को भी आगे बढ़ाने में सहयोग करे। आपको रोजगार मिले, यह अच्छी बात है, लेकिन इससे भी बेहतर होगा कि आप स्वयं दूसरों को रोजगार देने की स्थिति में पहुंचें।

सफलता की कहानियों के पीछे संघर्ष की गाथा

इस अवसर पर केयर लीवर्स की सफलता की कहानियों पर आधारित कॉफी टेबल बुक का भी लोकार्पण किया गया। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि यह पुस्तक केवल सफलता की कहानियों का संकलन नहीं है, बल्कि प्रत्येक कहानी के पीछे छिपे संघर्ष, मेहनत और लक्ष्य प्राप्ति के दृढ़ संकल्प की गाथा है। उन्होंने कहा कि इन युवाओं की उपलब्धियां दूसरे बच्चों और युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेंगी।

बच्चों के हुनर को बाजार से जोड़ने पर जोर

कार्यशाला में बच्चों द्वारा तैयार किए गए जूट बैग, कलाकृतियों और अन्य उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। मंत्री सुश्री भूरिया ने बच्चों के हुनर की सराहना करते हुए इन उत्पादों को बाजार से जोड़ने तथा स्वरोजगार एवं उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों को केवल कौशल का प्रशिक्षण देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके हुनर को बाजार से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी काम होना चाहिए। कार्यशाला में औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं विभिन्न संस्थाओं के साथ इंटर्नशिप और रोजगार के अवसरों को लेकर भी संवाद हुआ।

सीएसए के साथ विभागीय समन्वय की सराहना

मंत्री सुश्री भूरिया ने आफ्टर केयर सेवाओं के क्षेत्र में CSA द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग और CSA के बेहतर समन्वय से केयर लीवर्स के लिए नए अवसर तैयार हो रहे हैं। उन्होंने सीएसए की सीईओ सुश्री स्मिता शेट्टी और एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुश्री श्वेता मोदी सहित पूरी टीम के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वे अपने विभागीय दौरों में केयर लीवर्स से संवाद करती हैं और उनमें आगे बढ़ने तथा अपने लक्ष्य हासिल करने की ऊर्जा और उत्साह देखकर प्रसन्नता होती है।

युवाओं के सशक्त भविष्य के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प में हर बच्चे की सुरक्षा, हर युवा का सशक्तिकरण और प्रत्येक नागरिक को आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराना शामिल है। मध्यप्रदेश सरकार महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से केयर लीवर्स के मार्गदर्शन, सहयोग और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के निर्वहन और बच्चों एवं युवाओं के सपनों को साकार करने की दिशा में एक ठोस कदम है। उन्होंने युवाओं से अपने सपनों को सीमित नहीं करने, प्रयास जारी रखने और आत्मविश्वास को कभी कमजोर न पड़ने देने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना का बढ़ रहा है दायरा

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री बाल आशीर्वाद योजना के माध्यम से बाल देखरेख संस्थाओं से बाहर आने वाले बच्चों और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। योजना को और सरल बनाने तथा उसका दायरा बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक बच्चे और युवा इसका लाभ प्राप्त कर सकें तथा उन्हें शिक्षा, कौशल, रोजगार, स्वरोजगार और आत्मनिर्भर जीवन के लिए आवश्यक सहयोग मिल सके। उन्होंने कहा कि मिशन वात्सल्य के माध्यम से शासन की प्रतिबद्धता है कि कोई भी बच्चा केवल संरक्षण तक सीमित न रहे, बल्कि उसे सम्मान, अवसर और आत्मनिर्भरता का पूरा अधिकार मिले।

सफल केयर लीवर्स ने साझा किए संघर्ष से सफलता तक के अनुभव

कार्यशाला में बच्चों एवं केयर लीवर्स ने मंत्री सुश्री भूरिया से कैरियर, मानसिक स्वास्थ्य, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार एवं जीवन कौशल जैसे विषयों पर संवाद किया और मार्गदर्शन प्राप्त किया। बाल देखरेख संस्थाओं से निकलकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों का सम्मान भी किया गया। कार्यशाला में सफल केयर लीवर्स ने अपने संघर्ष से सफलता तक के अनुभव साझा किए। उनके अनुभवों ने उपस्थित बच्चों और युवाओं को यह संदेश दिया कि जीवन की शुरुआती परिस्थितियां भविष्य का निर्धारण नहीं करतीं, बल्कि मेहनत, आत्मविश्वास और सही अवसर सफलता की नई राह खोलते हैं।

उपभोक्ता सेवाओं को मिला नया विस्तार

47 नवीन एफओसी टीमों से शिकायतों का होगा त्वरित निराकरण

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने बताया कि उपभोक्ता सेवाओं को और अधिक सुदृढ़, सुगम एवं प्रभावी बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कॉल सेंटर सेवाओं का विस्तार किया गया है। अब 1912 के साथ 0755-4314165 के माध्यम से भी बिजली संबंधी शिकायतें दर्ज कराई जा सकेंगी।उन्होंने बताया कि मैदानी स्तर पर शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए 47 नवीन एवं अतिरिक्त एफओसी टीमों का सृजन किया गया है। एफओसी टीम का कार्य उपभोक्ता परिसर में विद्युत आपूर्ति से संबंधित फॉल्ट अथवा फ्यूज संबंधी शिकायत आने पर मौके पर पहुंचकर आवश्यक सुधार कार्य करना है। इन 47 टीमों में 33 बाइक एफओसी एवं 14 कैंपर एफओसी टीमें शामिल हैं। इन्हें जिला एवं संभागीय मुख्यालयों के साथ-साथ तहसील मुख्यालयों एवं छोटे शहरों में भी स्वीकृत किया गया है। इससे विशेष रूप से ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों में विद्युत प्रदाय संबंधी शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित होगा।

श्री गर्ग ने बताया कि विद्युत सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उपभोक्ताओं को यूपे एप , कॉल सेंटर एवं एमपीसीजेड पोर्टल के माध्यम से विद्युत तार, पोल, उपकरण अथवा अन्य असुरक्षित विद्युत अधोसंरचना से संबंधित शिकायतें दर्ज कराने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इन पहलों से उपभोक्ताओं को त्वरित, सुगम एवं सुरक्षित विद्युत सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

मप्र में मत्स्य निवेश को मिलेगी नई दिशा : राज्यमंत्री श्री पंवार

भोपाल (नप्र)। मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नारायण सिंह पंवार ने प्रदेश में मत्स्य क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने तथा उपलब्ध जल संसाधनों का बेहतर उपयोग कर मत्स्य उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से बुधवार को मंत्रालय में मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्य उद्योग नीति-2026 के अंतर्गत कार्यप्रणाली एवं नीतिगत प्रावधानों को लेकर निवेशकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक ली।

राज्यमंत्री श्री पंवार ने विभिन्न जलाशयों में मत्स्य निवेश की संभावनाओं, उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग तथा प्रदेश में मत्स्य उद्योग को आधुनिक, सशक्त, रोजगारोन्मुख एवं निवेश-अनुकूल बनाने को लेकर निवेशकों के साथ विस्तृत एवं सार्थक चर्चा की। इस दौरान निवेशकों से उनके सुझाव प्राप्त किए गए तथा निवेश के दौरान आने वाली संभावित चुनौतियों एवं आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी विस्तार से विमर्श हुआ। राज्यमंत्री श्री पंवार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। मत्स्य विभाग को केवल उत्पादन तक सीमित न रखते हुए इसे एक सशक्त व्यापार एवं उद्योग के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

जबलपुर में सिग्नल केबल चोरी होने से थमीं 4 ट्रेनें

नई केबल लगाकर आधे से एक घंटे बाद कीं रवाना, सोलर कैमरे से पकड़ाया चोर ; दो साथी फरार

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर रेलवे स्टेशन के पास रेलवे यार्ड से सिग्नल केबल चोरी होने के कारण चार ट्रेनों के पहिए थम गए। सिग्नल नहीं मिलने से ट्रेनें प्लेटफॉर्म पर खड़ी रहीं और करीब आधे से एक घंटे की देरी के बाद उन्हें रवाना किया जा सका। चोरी की गई रेलवे संपत्ति की कीमत करीब 6,750 रुपए बताई गई है, लेकिन केबल कटने से रेलवे परिचालन पर इसका बड़ा असर पड़ा। घटना के बाद आरपीएफ ने जांच शुरू की और स्टेशन के आसपास लगाए गए सोलर पावर स्टैंड-अलोन कैमरों की मदद से दो संदिग्धों की पहचान की। पुलिस ने मंगलवार को एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी की केबल बरामद कर ली है। उसके दो साथी फरार हैं। रविवार को जबलपुर स्टेशन पर जबलपुर-रीवा एक्सप्रेस, एलटीटी-राजगीर ट्रेन, निजामुद्दीन-जबलपुर एक्सप्रेस और लखनऊ-यशवंतपुर एक्सप्रेस रवाना होने के लिए खड़ी थीं।

बांधवगढ़ बफर जोन में हरियाली से लगा सैलानियों का मेला

जंगल सफारी का आनंद लेने 47 दिनों में जुटे 2 हजार से अधिक पर्यटक

भोपाल (नप्र)। मानसूनी बारिश के साथ बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का प्राकृतिक सौंदर्य और अधिक निखर उठा है। हरे-भरे जंगल, कल-कल करते झरने जल संरचनाओं में बढ़ा हुआ जल स्तर और खुशनुमा मौसम का आनंद लेने सक्रिय हुए वन्यजीवों की बढ़ी हुई आवाजाही ने पर्यटकों के आकर्षण में कई गुनी बढ़ोतरी कर दी है। मानसूनकाल में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का कोर क्षेत्र पर्यटन के लिए बंद है। किंतु पर्यटकों के लिये बफर जोन का हराभरा सौंदर्य भी सफारी का खुला आमंत्रण सिद्ध हो रहा है।

बफर जोन की सफारी को लेकर पर्यटकों में उत्साह है। यहाँ 1 जुलाई से 16 अगस्त 2026 तक 47 दिनों में 400 से अधिक फेरे हुए। इनमें 2 हजार से अधिक देशी-विदेशी पर्यटकों ने जंगल सफारी का आनंद लिया है। इस अवधि में बफर जोन पर्यटन से विभाग को 5.50 लाख रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है। पर्यटन गतिविधियों से जिप्सी संचालकों, गाइड और होटल व्यवसाय से जुड़े लोगों की आय भी बढ़ी है।

बाघ-तेंदुआ, हाथी और गौर समेत वन्यजीवों ने बढ़ाया सफारी का रोमांच- मानसून के दौरान बांधवगढ़ के धमोखर और पनपथा बफर क्षेत्रों में घूम रहे पर्यटक बाघों को ठीक सामने देख रोमांचित हो गये। इसके साथ ही तेंदुआ, इंडियन गौर, हाथी, चीतल, सांभर, बार्किंग डियर और नीलगाय सहित अनेक वन्यजीवों की मौजूदगी ने सफारी के रोमांच को और बढ़ा दिया। धमोखर बफर क्षेत्र विशेष रूप से पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। यहां बाघिन और उसके शावकों की धमा-चौकड़ी पर्यटकों के लिए सफारी बोनस बन गई है।

स्वतंत्रता दिवस पर भी बड़ी संख्या में पहुंचे पर्यटक

वन्यजीवों एवं उनके प्राकृतिक आवास के संरक्षण की दृष्टि से मानसून अवधि में 1 जुलाई से 30 सितंबर तक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व का कोर क्षेत्र पर्यटकों के लिए बंद रहता है। इसके बावजूद बफर क्षेत्र पर्यटकों को प्रकृति और वन्यजीवों को करीब से देखने का अवसर प्रदान कर रहा है। स्वतंत्रता दिवस और हरियाली तीज के अवकाश का लाभ लेने 29 सफारी वाहनों से 161 पर्यटक दलों ने बफर जोन का भ्रमण किया। इससे लगभग 40 हजार रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इसके बाद 16 अगस्त को भी 24 सफारी वाहनों के से 111 पर्यटक दलों ने जंगल सफारी का आनंद लिया।

भवनों को किराए पर देगा भोपाल नगर निगम, प्रस्ताव पास

मीटिंग से गायब कमिश्नर , अध्यक्ष बोले- आइंदा ऐसा न हो; टैक्स बढ़ोतरी पर हंगामा

भोपाल (नप्र)। भोपाल नगर निगम परिषद की बुधवार को आईएसबीटी स्थित मीटिंग हॉल में बैठक चल रही है। बैठक शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने शहर में टैक्स बढ़ाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने महापौर मालती राय के बजट भाषण का हवाला देते हुए सवाल किया कि जब मार्च में बजट पेश करते समय कहा था कि शहरवासियों पर कोई नया टैक्स नहीं बढ़ाया गया है, तो बाद में कई इलाकों के परिक्षेत्र बदलकर टैक्स का बोझ क्यों बढ़ाया गया?

महापौर मालती राय ने जवाब दिया कि परिक्षेत्र हर साल बदले जाते हैं और इस बार भी प्रक्रिया के तहत परिक्षेत्र बदले गए हैं। इस पर जकी ने सवाल किया कि यदि परिक्षेत्र बदलना तय प्रक्रिया है तो इसकी जानकारी बजट भाषण में क्यों नहीं दी गई।

भोपाल का मास्टर प्लान लागू करने की मांग को लेकर कांग्रेस पार्षदों ने अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी की आसंदी घेरी। कहा कि भोपाल का मास्टर प्लान बहुत जरूरी है। इसे तत्काल लागू करना चाहिए।

'बजट पर चर्चा के दौरान मुद्दा उठाना था' – विवाद बढ़ने पर परिषद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को बजट पर चर्चा के दौरान ही यह मुद्दा उठाना चाहिए था। इस पर शबिस्ता जकी ने कहा कि बजट की जानकारी बैठक से कुछ मिनट पहले ही दी जाती है, ऐसे में पहले से तैयारी कैसे की जा सकती है। जकी ने कहा कि शहरवासियों पर टैक्स का अतिरिक्त बोझ डालने से पहले इसकी जानकारी स्पष्ट रूप से परिषद के सामने रखी जानी चाहिए थी।

जनहित के मुद्दे एजेंडे में नहीं होने पर विपक्ष नाराज– बैठक के एजेंडे में शहर से जुड़े कई प्रमुख जनहित के मुद्दे शामिल नहीं होने को लेकर विपक्ष ने भी सवाल उठाए हैं। विपक्ष का कहना है कि परिषद की बैठक में ऐसे विषयों पर चर्चा होनी चाहिए, जिनका सीधा असर शहरवासियों पर पड़ रहा है।विपक्ष के मुताबिक बारिश के बाद शहर की कई सड़कें बदहाल हो गई हैं। जगह-जगह सड़कें खुदी हुई हैं।

बारिश के बाद सड़क, जलभराव और सफाई की समस्या

राजधानी में लगातार बारिश के कारण कई इलाकों की सड़कें उखड़ गई हैं। तेज बारिश के दौरान निचले इलाकों में जलभराव की समस्या सामने आ रही है। कई क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को लेकर भी शिकायतें हैं।विपक्ष का कहना है कि ये ऐसे मुद्दे हैं, जिनसे शहर का आम नागरिक रोजाना परेशान हो रहा है। इसके बावजूद परिषद की बैठक के एजेंडे में इन समस्याओं पर चर्चा का प्रावधान नहीं है। ऐसे में विपक्ष ने बैठक में शहर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है और बैठक के हंगामेदार होने के आसार हैं।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

भोपाल, गुरुवार 20 अगस्त,2026

आखिरकार एक कदम आगे बढ़ा एलिवेटेड कॉरिडोर : ढाई महीने बाद फिर चली पाइलिंग मशीन, प्रोजेक्ट को मिली नई रफ्तार

इंदौर। शहर के सबसे महत्वाकांक्षी यातायात प्रोजेक्टों में शामिल एबी रोड एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण कार्य में आखिरकार ढाई महीने बाद फिर से हलचल दिखाई दी है। लंबे समय से एक ही स्थान पर खड़ी पाइलिंग मशीन ने अब दो कदम आगे बढ़ाते हुए नई पाइल पर काम शुरू कर दिया है। मशीन के दोबारा सक्रिय होने से यह उम्मीद जगी है कि सुस्त पड़ चुका प्रोजेक्ट अब गति पकड़ सकेगा। एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण की धीमी रफ्तार को लेकर लगातार सवाल उठ रहे थे। पिछले ढाई महीने से पाइलिंग मशीन एक ही स्थान पर आड़ी पड़ी हुई थी और काम लगभग ठप नजर आ रहा था। इसके साथ ही बीच रोड़ पर पार्टीशन कर लगाई चद्दरों से वाहन चालक ट्रैफिक का दबाव झेल रहे है। शहरवासियों के बीच यह चर्चा आम थी कि करोड़ों रुपए की लागत वाला प्रोजेक्ट आखिर इतनी धीमी गति से क्यों चल रहा है। अब मशीन के आगे बढ़ने और नई पाइल पर काम शुरू होने से लोगो को आस बंधी है। दरअसल, एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए सैकड़ों पाइल तैयार की जानी हैं, जिन पर पूरी संरचना खड़ी होगी। प्रत्येक पाइल की गहराई और तकनीकी परीक्षण के काम जटिल है, लेकिन पिछले कई महीनों से काम बंद पड़ा हुआ था । यही कारण है कि प्रोजेक्ट को लेकर सवाल खड़े होने लगे थे। शहर के व्यस्ततम एबी रोड पर चल रहे इस निर्माण के कारण रोजाना हजारों वाहन चालक ट्रैफिक दबाव का सामना कर रहे हैं। ऐसे में लोगों की अपेक्षा है कि अब निर्माण एजेंसी मशीनों और संसाधनों की संख्या बढ़ाकर काम को तेज गति से पूरा करे।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि पाइलिंग का काम रफ्तार पकड़ता है तो आने वाले महीनों में पिलर निर्माण और गर्डर लॉन्चिंग जैसे महत्वपूर्ण काम भी तेजी से आगे बढ़ सकेंगे। हालांकि, एक मशीन के आगे बढ़ने भर से पूरी तस्वीर नहीं बदलती। प्रोजेक्ट की वास्तविक प्रगति तब मानी जाएगी जब निर्माण स्थल पर लगातार गतिविधियां बढ़ें और तय समय-सीमा के अनुसार कार्य होता दिखाई दे। फिलहाल ढाई महीने की सुस्ती के बाद पाइलिंग मशीन का फिर से चलना एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

निगम में नोटिस का खेल ! हाईकोर्ट ने भवन अधिकारी की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

इंदौर। नगर निगम में भवन निर्माण अनुमति और नोटिस की कार्रवाई एक बार फिर सवालों के घेरे में है। ताजा मामला हाईकोर्ट पहुंचा, जहां भवन अधिकारी पल्लवी पाल की कार्रवाई पर कोर्ट ने गंभीर टिप्पणी करते हुए प्रारंभिक जांच के निर्देश दिए हैं। पचोरवाला बिल्डर्स एंड डेवलपर्स प्रा. लि. ने याचिका में बताया कि भंडारी ब्रिज-डीआरपी लाइन क्षेत्र में भवन निर्माण की अनुमति के लिए निगम को करीब 80 लाख रुपए शुल्क जमा किया गया था। अनुमति मिलने के तीन दिन बाद ही जोन-3 की भवन अधिकारी पल्लवी पाल ने नोटिस जारी कर दिया। इसके तीन दिन बाद निर्माण कार्य रोकने का आदेश भी जारी कर दिया गया। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने भवन अधिकारी से पूछा कि इतनी कम अवधि में नोटिस और काम रोकने का आदेश किस आधार पर जारी किया गया। अधिकारी ने आईडीए के पत्र और निरीक्षण में मिली अनियमितताओं का हवाला दिया। जस्टिस संदीप भट्ट ने कार्रवाई के औचित्य पर सवाल उठाते हुए कहा कि अधिकारी का रुख तीन दिनों में कैसे बदल गया। कोर्ट ने प्रथमदृष्टया कार्रवाई में सद्भावना की कमी पर भी टिप्पणी की। हाईकोर्ट ने प्रमुख सचिव और निगमायुक्त को आदेश की प्रति भेजकर प्रारंभिक जांच कराने तथा रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। निगमायुक्त से रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में मांगी गई है। कोर्ट ने निगम, आईडीए और भवन अधिकारी को नोटिस जारी कर जवाब भी मांगा है तथा 16 जुलाई के आदेश पर रोक लगा दी है।

खजराना लिंक रोड को मंजूरी: ट्रैफिक सुधार के नाम पर नए प्रयोग, जवाबदेही पर सवाल

इंदौर। नगर निगम की महापौर परिषद (एमआईसी) ने कनाड़िया रोड से खजराना गणेश मंदिर तक नई लिंक रोड निर्माण को मंजूरी दे दी है। दावा है कि इससे खजराना क्षेत्र में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करने में मदद मिलेगी, लेकिन शहर की पहले से अधूरी और लंबित सड़क परियोजनाओं के बीच यह फैसला कई सवाल भी खड़े कर रहा है। एमआईसी की बैठक में केवल लिंक रोड ही नहीं, बल्कि शहर के 22 प्रमुख चौराहों पर विज्ञापन आधारित मॉडल से नए ट्रैफिक सिग्नल लगाने का निर्णय भी लिया गया। स्मार्ट सिटी के इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) के तहत निजी एजेंसियों को विज्ञापन अधिकार देकर ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने की योजना बनाई गई है। हालांकि सवाल यह है कि क्या ट्रैफिक प्रबंधन अब विज्ञापनों के भरोसे चलेगा? बैठक में पीपीपी मॉडल पर कई प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई। देवगुराड़िया में 60 टीपीडी क्षमता के नारियल अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र, रणजीत हनुमान मार्ग स्थित उद्यान में अंतरराष्ट्रीय स्तर के पूल के संचालन, कूटी कोठी फ्लाईओवर के नीचे उपलब्ध जमीन के विकास और अन्य परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई। वहीं पलासिया चौराहे के सौंदर्यीकरण और विभिन्न निजी संस्थाओं के माध्यम से शहर के प्रमुख स्थलों के विकास की योजनाओं को भी मंजूरी मिली। हालांकि सबसे ज्यादा चर्चा कनाड़िया रोड-खजराना लिंक रोड और नए ट्रैफिक सिग्नलों की रही। शहर में लगातार बढ़ती वाहन संख्या, जाम और अधूरी परियोजनाओं के बीच निगम ने नई घोषणाएं तो कर दी हैं, लेकिन अब निगाहें इस बात पर हैं कि ये योजनाएं जमीन पर कितनी तेजी से उतरती हैं। इंदौर में घोषणाओं की कमी कभी नहीं रही, असली चुनौती उन्हें समय पर पूरा करने की है।

डीएलएफ गार्डन सिटी -2 में रहवासी संघ पर बवाल, बिना सहमति गठन का आरोप

संवाददाता, दैनिक सदभावना पाती

इंदौर। डीएलएफ गार्डन सिटी -2 में रहवासी संघ के गठन और हस्तांतरण प्रक्रिया को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। रहवासियों ने आरोप लगाया है कि उनकी जानकारी और सहमति के बिना रहवासी संघ का गठन कर दिया गया। उन्होंने निष्पक्ष जांच और जांच पूरी होने तक हस्तांतरण रोकने की मांग की है।

चरण-2 में कुल 1334 भूखंड हैं, जबकि वर्तमान में करीब 60-70 परिवार ही निवासरत हैं। रहवासियों के अनुसार जून 2025 में डीएलएफ ने संघ गठन का प्रस्ताव भेजा था। इसके बाद उन्होंने आपसी सहमति से प्रतिनिधि चुनकर अपनी संस्था के पंजीयन की प्रक्रिया शुरू की थी। आरोप है कि इसी दौरान डीएलएफ ने रुचिर बंसल सहित कुछ लोगों के साथ मिलकर अलग रहवासी संघ का गठन करा दिया। रहवासियों का दावा है कि गठन से जुड़े दस्तावेजों में एक ही परिवार के कई सदस्यों के हस्ताक्षर हैं और दो हस्ताक्षरकर्ता उस समय चरण-2 के निवासी भी नहीं थे। शिकायतें कलेक्टर कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी सांवेर, पुलिस और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन तक पहुंचीं। इसके बावजूद जुलाई 2026 में हस्तांतरण प्रक्रिया आगे बढ़ाने का आरोप है। रहवासियों ने सभी दस्तावेजों और सदस्यों की पात्रता की जांच तथा स्वतंत्र निर्वाचन अधिकारी की निगरानी में निष्पक्ष चुनाव कराने की मांग की है।

रहवासियों का सवाल— बिना सभी की सहमति बना संघ पूरे चरण का प्रतिनिधि कैसे हो सकता है?

त्योहारों से पहले मिलावटखोरों पर शिकंजा, घी-दूध-मावे की होगी लगातार जांच

- **इंदौर में नकली घी पकड़ा, कलेक्टर बोले—हैबिचुअल ऑफेंडर्स पर होगी और सख्त कार्रवाई; खजराना प्रसाद और गणेश उत्सव की खाद्य सामग्री पर भी नजर**

इंदौर। त्योहारों का सीजन नजदीक आते ही खाद्य पदार्थों में मिलावट के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में अमानक और मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम को दुकानों की जांच और सैंपलिंग बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। हाल ही में टीम ने घी के सैंपल लेने के साथ नकली घी भी पकड़ा है। कलेक्टर ने कहा कि त्योहारों के दौरान घी, दूध और मावे पर विशेष नजर रखी जाएगी और इनकी लगातार सैंपलिंग की जाएगी। बार-बार नियमों का उल्लंघन करने वाले हैबिचुअल ऑफेंडर्स के खिलाफ और कड़ी कार्रवाई की तैयारी है। खजराना गणेश मंदिर में प्रसाद के रूप में दिए जाने वाले लड्डुओं को लेकर भी खाद्य विभाग लगातार निगरानी रख रहा है। कलेक्टर के अनुसार खाद्य पदार्थ बेचने वाली दुकानों की सैंपलिंग नियमित प्रक्रिया का हिस्सा है। लड्डुओं के डिब्बों पर स्वास्थ्य की मार्किंग सहित आवश्यक जानकारी की भी जांच की जाती है। आगामी गणेश उत्सव को देखते हुए बाजारों, प्रसाद की दुकानों और छप्पन भोग सहित भगवान गणेश को चढ़ाई जाने वाली खाद्य सामग्री की भी विशेष जांच की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि त्योहारों में लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

इंदौर दर्शन बस: पुरानी नाकामी पर नया प्रयोग, क्या इस बार मिलेंगे यात्री?

इंदौर। पर्यटन विभाग एक बार फिर इंदौर दर्शन बस सेवा शुरू करने की तैयारी में है। खास बात यह है कि इससे पहले भी इसी तरह की सेवा शुरू की गई थी, लेकिन यात्रियों की कमी के कारण बस कुछ समय बाद बंद हो गई थी। अब विभाग फिर से उसी योजना को नए सिरे से जमीन पर उतारने की कोशिश कर रहा है। पर्यटन विभाग ने इसके लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट जारी कर निजी ऑपरेटरों से प्रस्ताव मांगे हैं। इच्छुक फर्मों को 17 सितंबर तक आवेदन करना होगा। चयनित एजेंसी इंदौर दर्शन बस का संचालन करेगी। योजना के अनुसार बस के माध्यम से पर्यटकों को राजवाड़ा पैलेस, कृष्णपुरा की छतरियां, कांच मंदिर, रालामंडल अभ्यारण्य, लालबाग पैलेस, बिजासन मंदिर, पितृ पर्वत, गोम्मट गिरी सहित शहर और आसपास के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। विभाग का दावा है कि इससे पर्यटकों को एक ही टिकट में कई स्थान देखने की सुविधा मिलेगी और अलग-अलग वाहन करने की परेशानी भी नहीं रहेगी। हालांकि बड़ा सवाल यह है कि जिस योजना को पहले यात्री नहीं मिले, उसे दोबारा शुरू करने से पहले क्या विभाग ने उसकी विफलता के कारणों का अध्ययन किया है? पिछली बार बस सेवा प्रचार की कमी, सुविधाओं के अभाव और कमजोर संचालन के कारण यात्रियों को आकर्षित नहीं कर पाई थी। ऐसे में केवल बस चलाने की घोषणा कर देना पर्याप्त नहीं होगा।

पर्यटन विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बस सेवा को ऑनलाइन बुकिंग, प्रशिक्षित गाइड, तय समय-सारिणी और आकर्षक पैकेज के साथ नहीं जोड़ा गया तो यह योजना फिर कागजों तक सिमट सकती है। इंदौर में हर साल बड़ी संख्या में पर्यटक आते है , लेकिन उन्हें शहर के पर्यटन स्थलों तक व्यवस्थित रूप से पहुंचाने की व्यवस्था अब तक प्रभावी नहीं बन पाई है। अब नजर इस बात पर है कि पर्यटन विभाग इस बार सिर्फ बस चलाता है या पिछली गलतियों से सबक लेकर एक ऐसी व्यवस्था खड़ी करता है जो वास्तव में इंदौर के पर्यटन को नई गति दे सके।

नेता जी के इंतजार में बंद सड़क, जनता रोज भुगत रही जाम की सजा

- **उद्घाटन की राजनीति ने रोकी राहत, पंढरीनाथ से गौतमपुरा तक हजारों वाहन चालक रोज परेशान**

इंदौर। शहर में कई विकास कार्य या तो समय-सीमा निकलने के बाद भी अधूरे पड़े हैं या फिर तैयार होने के बावजूद उद्घाटन के इंतजार में जनता के लिए नहीं खोले जा रहे हैं। चंद्रभागा से पंढरीनाथ और हरसिद्धि क्षेत्र को जोड़ने वाली सड़क भी इसका उदाहरण है। सड़क कई महीनों से बनकर तैयार है, लेकिन दोनों ओर अवरोध लगाकर इसे बंद रखा गया है। इसका खामियाजा रोज हजारों वाहन चालकों को जाम के रूप में भुगतना पड़ रहा है। पंढरीनाथ क्षेत्र के यातायात दबाव को कम करने के उद्देश्य से करोड़ों रुपए की लागत से बनाई गई इस सड़क पर डिवाइडर और पौधारोपण का काम भी हो चुका है। इसके बावजूद जनता को इसका लाभ नहीं मिल रहा। कुछ दिन पहले परेशान वाहन चालकों ने खुद सड़क का उपयोग शुरू किया तो नगर निगम ने दोनों ओर बड़े सीमेंट पाइप रखकर रास्ता बंद कर दिया। पंढरीनाथ, गौतमपुरा, हरसिद्धि, मच्छी बाजार और आड़ा बाजार क्षेत्र पहले ही भारी यातायात दबाव से जूझ रहे हैं। फुटपाथों पर अतिक्रमण, सड़क पर फैली दुकानें और कमजोर ट्रैफिक प्रबंधन ने स्थिति और बिगाड़ दी है। जवाहर मार्ग, आड़ा बाजार, रेशम गली और गौतमपुरा की संकरी गलियों तक जाम का असर पहुंच रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में पर्याप्त ट्रैफिक प्रबंधन भी नजर नहीं आता। कई बार स्थानीय दुकानदार और रहवासी खुद यातायात संभालते दिखाई देते हैं।

सवाल सीधा है– जब सड़क तैयार है तो उसे जनता के लिए खोलने में आखिर बाधा क्या है? क्या उद्घाटन के लिए किसी नेता के आने का इंतजार जनता की रोज की परेशानी से बड़ा है? यदि सड़क से यातायात का दबाव कम हो सकता है तो इसे तत्काल खोलना चाहिए। विकास कार्य जनता की सुविधा के लिए होते हैं, फीता काटने के श्रेय के लिए नहीं।

गणेश चतुर्दशी से पहले खजराना गणेश मंदिर में नई व्यवस्थाएं, ऑनलाइन दर्शन से लेकर जीरो वेस्ट तक; प्रबंधन समिति की बैठक संपन्न

इंदौर। गणेश चतुर्दशी के मद्देनजर श्री खजराना गणेश मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्थाओं को लेकर मंदिर प्रबंधन समिति की बैठक कलेक्टर शिवम वर्मा और निगमायुक्त क्षितिज सिंघल की मौजूदगी में हुई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में ऑनलाइन दर्शन बुकिंग शुरू करने का निर्णय लिया गया। पोर्टल और मोबाइल ऐप के माध्यम से सुलभ दर्शन की बुकिंग के साथ प्रसाद, हवन और अभिषेक जैसी सेवाओं को भी ई-सेवा से जोड़ा जाएगा। गणेश उत्सव के दौरान भीड़ और यातायात को देखते हुए वैकल्पिक मार्ग और पार्किंग व्यवस्था को व्यवस्थित करने पर भी जोर दिया गया। मंदिर परिसर को जीरो वेस्ट बनाने के लिए प्लास्टिक पर रोक, गीले-सूखे कचरे का अलग निपटान और बेहतर स्वच्छता व्यवस्था लागू की जाएगी। मंदिर की छतों पर सोलर रूफटॉप प्लांट लगाने की योजना भी बनाई गई है। इसके अलावा श्रद्धालुओं के लिए निर्धारित परिधान तय करने हेतु वरिष्ठ पंडितों का पैनल बनाया जाएगा। भगवान गणेश के नए स्वर्ण मुकुट के निर्माण पर भी विशेषज्ञों से चर्चा कर निर्णय लिया जाएगा। दर्शन का समय पूर्ववत रहेगा।

एमआईसी के 60 से ज्यादा प्रस्तावों पर मुहर, चिड़ियाघर शुल्क नहीं बढ़ेगा; अन्नपूर्णा तालाब के पास बनेगा स्ट्रीट फूड हब

कनाड़िया-खजराना लिंक रोड को मंजूरी, ग्रीन वेस्ट प्लांट का ठेका निरस्त; अखंड भारत थीम पर बनेगा स्मारक

इंदौर। महापौर पुष्यमित्र भार्गव की अध्यक्षता में हुई मेयर-इन-काउंसिल (एमआईसी) की बैठक में 60 से अधिक प्रस्तावों पर चर्चा हुई। बैठक में चिड़ियाघर का प्रवेश शुल्क फिलहाल नहीं बढ़ाने, अन्नपूर्णा तालाब के पास स्ट्रीट फूड हब विकसित करने सहित कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। विवादित सरकारी जमीन पर काबिज अतिक्रामकों के संपत्ति कर खाते नहीं खोलने, जबकि अवैध कॉलोनियों में संपत्ति कर वसूली के लिए खाते खोलने का निर्णय लिया गया। चिड़ियाघर में नई सुविधाएं विकसित होने के बाद प्रवेश शुल्क बढ़ाने की चर्चा थी, लेकिन एमआईसी ने फिलहाल शुल्क यथावत रखने का फैसला किया। पलासिया चौराहे पर 'आई लव इंदौर' के साथ अखंड भारत थीम पर आधारित स्मारक भी स्थापित किया जाएगा।

- **ग्रीन वेस्ट प्लांट का ठेका निरस्त-** जनकार्य एवं उद्यान समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बताया कि ग्रीन वेस्ट प्लांट का ठेकेदार शहर से ग्रीन वेस्ट उठाने और प्लांट संचालन में अपेक्षित कार्य नहीं कर रहा था। इसके चलते ठेका निरस्त कर नए सिरे से टेंडर बुलाने का निर्णय लिया गया। नारियल अपशिष्ट संयंत्र और घरेलू बायोमेडिकल वेस्ट के निपटान का काम भी निगम स्वयं करेगा।
- **कनाड़िया-खजराना लिंक रोड को मंजूरी-** बैठक में कनाड़िया से खजराना लिंक रोड के निर्माण को भी मंजूरी दी गई। इसके लिए विधायक निधि से 10 करोड़ रुपए दिए जाएंगे, जबकि शेष राशि नगर निगम खर्च करेगा। इस सड़क का निर्माण पूर्व में रोक दिया गया था। अब संबंधित अनुमति और प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद इसे दोबारा शुरू करने का निर्णय लिया गया है। सड़क बनने से क्षेत्र में आवागमन बेहतर होने और खजराना गणेश मंदिर तक नई एप्रोच मिलने की उम्मीद है। बैठक में गणेश विसर्जन और चल समारोह में शामिल अखाड़ों को मिलने वाली राशि 15 हजार से बढ़ाकर 21 हजार रुपए करने का निर्णय भी लिया गया। सुभाष नगर और वल्लभ नगर में निगम द्वारा मार्केट विकसित करने की कार्रवाई, इंटरनेशनल स्विमिंग पूल को पीपीपी मॉडल पर संचालित करने तथा मिलों को झांकी निर्माण के लिए प्रतिवर्ष की तरह अंशदान देने सहित अन्य प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई।

दैनिक सद्भावना पाती
भोपाल, गुरुवार 20 अगस्त,2026

रक्षा संवाद

ITBP का 18000 फ़ीट पर योग और मनोवैज्ञानिक युद्ध मोर्चे की नई तस्वीर

डॉ राजेश जौहरी
दैनिक सदभावना पाती

रक्षा क्षेत्र में शक्ति केवल हथियारों, सैनिक संख्या या तकनीकी श्रेष्ठता से तय नहीं होती। युद्ध का एक महत्वपूर्ण मोर्चा सैनिकों और समाज के मनोबल का भी है। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के जवानों का लगभग 18,000 फीट की ऊंचाई पर योग करते हुए सामने आया वीडियो इसी व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए। यह केवल

शारीरिक दक्षता का प्रदर्शन नहीं, बल्कि कठिनतम परिस्थितियों में भारतीय जवानों की मानसिक दृढ़ता और अनुशासन का सार्वजनिक संदेश भी है। हिमालयी सीमाओं पर चीन की सैन्य गतिविधियों और उसके आधिकारिक प्रचार तंत्र पर भारत लंबे समय से नजर रखता आया है। चीन द्वारा बर्फीले क्षेत्रों में सैनिकों के मार्शल आर्ट या अत्यधिक प्रतिकूल मौसम में प्रशिक्षण से जुड़े वीडियो जारी करना उसकी सैन्य क्षमता और सहनशीलता की छवि प्रस्तुत करने की रणनीति का हिस्सा रहा है। हालांकि यह बात भी समय समय पर सामने आती रहती है कि चीन के वे वीडियो 'फर्जी' या 'डॉक्टर्ड' साबित हुए हैं। इसी से समझ में आता है कि चीन ने ये पूरी एक्सरसाइज क्यों की होगी? जाहिर है कि भारत, ताइवान, म्यांमार, थाईलैंड, लाओस, कम्बोडिया, विएतनाम आदि देशों में अपनी सेना के प्रति मनोवैज्ञानिक डर दिखाना ही उनका मुख्य उद्देश्य रहता है। यहीं भारतीय प्रतिक्रिया का महत्व बढ़ जाता है। 18,000 फीट जैसी ऊंचाई पर योग का वास्तविक दृश्य भारतीय सैनिकों की परिचालन परिस्थितियों, प्रशिक्षण और मानसिक संतुलन को रेखांकित करता है। यह संदेश प्रत्यक्ष है, हिमालय में तैनात भारतीय जवान केवल मौसम की चुनौती नहीं झेलते, बल्कि कठिन वातावरण में भी संयम और आत्मविश्वास बनाए रखते हैं। इसे मनोवैज्ञानिक युद्ध या सूचना-युद्ध के व्यापक परिप्रेक्ष्य में समझना अधिक उपयुक्त होगा। आधुनिक संघर्षों में धारणा स्वयं एक रणनीतिक संसाधन बन चुकी है। विरोधी की क्षमता को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना या अपनी दृढ़ता का प्रभावी प्रदर्शन करना मनोबल और जनमत को प्रभावित कर सकता है।

चीन के ख्यात विचारक 'सन त्जू' ने युद्ध में शत्रु की मानसिक स्थिति और धारणा के महत्व पर बल दिया था। आज डिजिटल युग में वही सिद्धांत वीडियो, सोशल मीडिया और सूचना अभियानों के माध्यम से नए रूप में दिखाई देता है। इसलिए भारत-तिब्बत सीमा पुलिस का यह दृश्य एक सरल संदेश देता है, सीमा की रक्षा केवल भौतिक मोर्चे पर नहीं, बल्कि धारणा और मनोबल के मोर्चे पर भी होती है।

खजराना में 14 सितंबर से 10 दिवसीय गणेश उत्सव, सवा लाख मोदक का लगेगा भोग

धार्मिक थीम पर सजेगा मंदिर, सुगम दर्शन और सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप

इंदौर। देशभर में आस्था के प्रमुख केंद्र खजराना गणेश मंदिर में 14 सितंबर से 10 दिवसीय गणेश उत्सव आयोजित होगा। उत्सव के दौरान भगवान श्री गणेश को परंपरा अनुसार सवा लाख मोदक का भोग लगाया जाएगा। मंदिर परिसर को धार्मिक थीम पर विद्युत और पुष्प सज्जा से सजाया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम दर्शन के लिए प्रशासन ने तैयारियां अंतिम चरण में पहुंचा दी हैं। कलेक्टर शिवम वर्मा ने अधिकारियों के साथ मंदिर में समीक्षा बैठक कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। बैठक में निगमायुक्त क्षितिज सिंघल, आईडीए सीईओ डॉ. परीक्षित झाड़े सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने लाखों श्रद्धालुओं के संभावित आगमन को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए।

- **सिद्धि विनायक अस्पताल से प्रवेश, कालका माता गेट से निकासी-** भीड़ नियंत्रण के लिए एकांगी मार्ग व्यवस्था लागू होगी। श्रद्धालुओं को सिद्धि विनायक अस्पताल की ओर से गणेशपुरी मार्ग होते हुए प्रवेश दिया जाएगा, जबकि दर्शन के बाद कालका माता मंदिर गेट से निकासी होगी। आवश्यकता के अनुसार बैरिकेडिंग, झिग-झैग कतारें और दिशा-सूचक बोर्ड लगाए जाएंगे। पुलिस और यातायात विभाग अतिरिक्त बल के साथ सुरक्षा एवं ट्रैफिक व्यवस्था संभालेंगे।
- **रोशनी और फूलों से सजेगा मंदिर परिसर-** मंदिर के शिखर, मुख्य मार्ग, पार्किंग और आसपास के क्षेत्र में विशेष विद्युत सज्जा होगी। गर्भगृह, सभा मंडप और मूषक स्थल को फूलों से सजाया जाएगा। स्वागत द्वार और सेल्फी प्वाइंट भी बनाए जाएंगे। भगवान गणेश का विशेष स्वर्ण श्रृंगार होगा और सुरक्षा के लिए अतिरिक्त इंतजाम किए जाएंगे। प्रतिदिन ध्वजा पूजन और अथर्वशीर्ष पाठ होगा।
- **सवा लाख मोदक, अन्नक्षेत्र और जीरो वेस्ट पर जोर-** सवा लाख मोदक का भोग जनसहयोग से लगाया जाएगा और प्रसाद वितरण की विशेष व्यवस्था रहेगी। अन्नक्षेत्र में भोजन प्रसादी, पेयजल, अतिरिक्त सफाईकर्मी और डस्टबिन की व्यवस्था बढ़ाई जाएगी। मंदिर परिसर में जीरो वेस्ट व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान रहेगा।
- **धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे-** दस दिवसीय उत्सव में भजन संध्या, धार्मिक नाट्य मंचन और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। भगवान गणेश के नगर भ्रमण के लिए विशेष रथ, झांकियां, बैंड और अखाड़े शामिल होंगे। प्रमुख झांकी को तीन दिन मंदिर परिसर में दर्शन के लिए रखा जाएगा। बैठक में 11 से 20 अक्टूबर तक होने वाले नवदुर्गा उत्सव की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी विभागों को समन्वय से काम करते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

अलमारी का ताला तोड़कर जेवर चोरी

इंदौर। गांधीनगर थाना क्षेत्र की एलएन सिटी में चोरों ने सूने मकान को निशाना बनाकर वारदात को अंजाम दिया। बदमाश घर का मुख्य दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुए और कमरे में रखी लोहे की अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे पुराने सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। घटना के बाद पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार फरियादी विजेन्द्र सोनकर (32), निवासी एलएन सिटी, गांधी नगर ने पुलिस को बताया कि अज्ञात बदमाश उसके घर में घुसे। बदमाशों ने सबसे पहले घर के मेन गेट का दरवाजा तोड़ा और अंदर प्रवेश किया। घर में घुसने के बाद बदमाशों ने लोहे की अलमारी को निशाना बनाया। उसका ताला तोड़कर उसमें रखे पुराने इस्तेमाल किए जा रहे सोने-चांदी के आभूषण निकाल लिए और मौके से फरार हो गए। सुबह घटना का पता चलने पर परिवार ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर गांधीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। साथ ही वारदात के तरीके के आधार पर आसपास सक्रिय संदिग्धों की जानकारी जुटाई जा रही है।

बाइक ने दो युवकों को मारी टक्कर, एक की मौत

इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से चल रही बाइक ने दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल है और अस्पताल में उपचार चल रहा है। घटना के बाद पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार हादसा 16 अगस्त की रात करीब 10.50 बजे हुआ। बाइक का चालक वाहन तेज गति और लापरवाही से चला रहा था। इसी दौरान उसने विवेक मिश्रा (30) और हवन मोहरे (30) को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। विवेक को गंभीर चोटें आने पर बाठिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान उसकी हालत बिगड़ गई और उसने दम तोड़ दिया। वहीं हवन मोहरे का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पश्चिम मप्र में 83,500 छतों पर चमका सोलर, 470 करोड़ की सब्सिडी वितरित

इंदौर। पश्चिम मध्यप्रदेश में रूफटॉप सोलर संयंत्रों की संख्या 83,500 के पार पहुंच गई है। यह आंकड़ा प्रदेश की तीनों बिजली वितरण कंपनियों में सबसे अधिक है। इन संयंत्रों की कुल क्षमता 525 मेगावाट से ज्यादा हो चुकी है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सौर ऊर्जा अपनाने वाले उपभोक्ताओं को बधाई देते हुए इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत उपभोक्ताओं को 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी मिल रही है, जिससे लोगों में सोलर संयंत्र लगाने का उत्साह बढ़ा है। योजना के तहत पश्चिम क्षेत्र में करीब 67 हजार स्थानों पर सोलर संयंत्र लगाए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि करीब 60 हजार उपभोक्ताओं को डीबीटी के माध्यम से 470 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी वितरित की जा चुकी है। इंदौर शहर 33 हजार से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्रों के साथ प्रदेश में पहले स्थान पर है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की उपस्थिति में पितृ पर्वत पर हुआ हनुमान चालीसा का पाठ, सवा लाख पाठ का हो रहा आयोजन

इंदौर। बुधवार दिनांक 19 अगस्त को पितृ पर्वत स्थित पितरेश्वर हनुमान धाम में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की उपस्थिति हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि हनुमान जी रुद्र अवतार है, इसलिए महादेव के प्रिय श्रावण मास के अवसर पर हनुमान जी की आराधना करो या भोलेनाथ की उपासना करो एक ही बात है। गौरतलब है पितृ पर्वत स्थित पितरेश्वर हनुमान धाम में शिव प्रिय श्रावण मास के अवसर पर सवा लाख हनुमान चालीसा के पाठ किए जा रहे हैं। सवा लाख हनुमान चालीसा के पाठ का आयोजन 29 जुलाई से प्रारंभ हो चुका है और 28 अगस्त को इसका समापन होगा। अभी तक 60000 हजार से ज्यादा हनुमान चालीसा का पाठ हो चुका है। हनुमान चालीसा के पाठ के अवसर पर भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक शर्मा, भाजपा नेता चिंटू वर्मा, नितिन मालू, मुन्ना साहू, सुनिता जयपाल, छन्नू दुबे, महेश दलौद्रा सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित थे।

गांधी हॉल में एनआरआई महिला से छेड़छाड़, चौकीदार को गिरफ्तार कर भेजा जेल

इंदौर। एमजी रोड थाना क्षेत्र स्थित गांधी हॉल परिसर में दिल्ली से घूमने आई एक जर्मनी निवासी एनआरआई महिला के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। महिला अपने साथी के साथ इंदौर घूमने आई थी। घटना के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी चौकीदार के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दरअसल इंदौर के एमजी रोड थाना पुलिस के मुताबिक वह एनआरआई महिला, जो वर्तमान में दिल्ली में रहती है और मूल रूप से जर्मनी की निवासी है, एक दिन पहले अपने साथी के साथ इंदौर भ्रमण पर आई थी। दोनों गांधी हॉल परिसर में घूम रहे थे, तभी वहां तैनात चौकीदार दीपक, निवासी सीहोर ने महिला पर अशोभनीय टिप्पणियां कीं और उसके साथ छेड़छाड़ करने की नियत से अश्लील इशारे भी किये। महिला द्वारा विरोध किए जाने पर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। प्रारंभिक तौर पर महिला इस मामले में शिकायत दर्ज कराने के पक्ष में नहीं थी, लेकिन पुलिस ने उसे कानूनी कार्रवाई के लिए समझाया। इसके बाद महिला ने आरोपी के खिलाफ लिखित शिकायत दी। शिकायत के आधार पर एमजी रोड थाना पुलिस ने आरोपी दीपक के विरुद्ध छेड़छाड़ सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उसे हिरासत में लिया। मंगलवार शाम आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि महिला पर्यटकों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एमडी ड्रग्स तस्करी मामले में फरार आरोपी जुनैद उर्फ जुन्नु गिरफ्तार

इंदौर। एमडी ड्रग्स तस्करी के मामले में फरार चल रहे आरोपी जुनैद उर्फ जुन्नु को क्राइम ब्रांच इंदौर ने 18 अगस्त को मुखबिर सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ थाना क्राइम ब्रांच में अपराध क्रमांक 57/2025 के तहत धारा 8, 22 एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज है। मामले में पुलिस पूर्व में सलीम रहमान को 20.84 ग्राम एमडी ड्रग्स और एक्सेस स्कूटी के साथ गिरफ्तार कर चुकी है। विवेचना के दौरान जुनैद की संलिप्तता सामने आने के बाद वह लगातार फरार था। क्राइम ब्रांच ने घेराबंदी कर उसे सदर बाजार क्षेत्र से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आरोपी नौवीं कक्षा तक शिक्षित है और किराये पर ई-रिक्शा चलाता है। उसके खिलाफ इंदौर के विभिन्न थानों में चोरी, मारपीट, अवैध हथियार, आबकारी, एनडीपीएस एक्ट सहित अन्य गंभीर धाराओं में 16 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस आरोपी से मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त, सप्लाई नेटवर्क और अन्य संलिप्त लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है। मामले में पूर्व में 20.84 ग्राम एमडी ड्रग्स और स्कूटी सहित करीब 2.80 लाख रुपए का मशरूका जब्त किया जा चुका है। क्राइम ब्रांच के अनुसार 1 जनवरी 2026 से अब तक एनडीपीएस एक्ट के 57 मामलों में 122 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इन कार्रवाइयों में एमडी ड्रग्स, गांजा, भांग, ब्राउन शुगर और कोकीन सहित करीब 3.15 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ व वाहन जब्त किए गए हैं।

एसीपी के कार्यों के मूल्यांकन का जुलाई का परिणाम जारी, जूनी इंदौर प्रथम

इंदौर। शहर में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण व बेहतर पुलिसिंग हेतु पुलिस के कार्य निष्पादन को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी, उत्तरदायी एवं जनोन्मुखी बनाए जाने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर इंदौर संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में, इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा एसीपी के कार्य की एक मानकीकृत मूल्यांकन प्रणाली प्रारंभ की गई है, जिसमें विभिन्न मापदंडों पर प्रत्येक ज़ोन में एसीपी के कार्यों का मूल्यांकन मासिक आधार पर किया जा रहा है। उक्त मूल्यांकन प्रणाली के तहत जुलाई माह में सहायक पुलिस आयुक्त द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा विभिन्न मापदंडों पर की गई, जिसके आधार पर पूरे इंदौर कमिश्नरेट के सभी 12 अनुभाग के सहायक पुलिस आयुक्त के कार्य को विभिन्न पैरामीटर्स के आधार पर मूल्यांकन करने पर-, ज़ोन -04 के अनुभाग एसीपी जूनी इंदौर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं ज़ोन-02 के एसीपी विजय नगर ने द्वितीय तथा ज़ोन-02 के एसीपी परदेशीपुरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि निर्धारित मापदंडों पर सबसे कमजोर परफॉर्मेंस प्रदर्शित करते हुए ज़ोन-04 के एसीपी सराफा अंतिम स्थान पर रहे।

प्री-स्कूल में मासूम को शिक्षिका ने धमकाया, पिता की शिकायत पर एफआईआर

इंदौर। तीन साल की बच्ची से स्कूल टीचर द्वारा अभद्रता करने और उसे शारीरिक नुकसान पहुंचाने की धमकी देने का मामला सामने आया है। बच्ची फर्स्टक्राई इंटेलिटाट्स प्री-स्कूल में नर्सरी में पढ़ती है। बच्ची के पिता रत्नेश की शिकायत पर विजय नगर पुलिस ने शिक्षिका के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रत्नेश ने शिकायत में बताया कि वे 8 अगस्त को बेटी को लेने स्कूल गए थे। वह उदास दिख रही थी। बातचीत में उसने बताया कि मैम उसे गंदा कहती हैं। बच्ची ने रोते हुए बताया कि उसे स्कूल में बहुत बुरा लगता है। मैडम ने उसे चिमटी काटी। इसके अगले दिन रत्नेश ने बेटी के लिए वॉइस रिकॉर्डर खरीदा और उसे बच्ची के बैग में रखकर स्कूल भेज दिया। रात में रत्नेश ने रिकॉर्डिंग सुनी। इसमें उनकी बेटी को टीचर प्रांजली अपशब्द कहते हुए और मारने-पीटने की बात कह रही थी। बच्ची पिटाई से बचने के लिए गिड़गिड़ा भी रही थी। टीचर ने उसके माता-पिता को भी अपशब्द कहे। पूरे घटनाक्रम की वॉइस रिकॉर्डिंग हो गई। रिकॉर्डिंग सुनने के बाद रत्नेश अपनी बेटी को लेकर स्कूल पहुंचे। उस समय बच्ची ने स्कूल के अंदर जाने से इनकार कर दिया और काफी रोने लगी। इसके बाद रत्नेश ने स्कूल की प्रिंसिपल से बात की और सीसीटीवी फुटेज की मांग की।

कार डिवाइडर से टकराई, चालक सहित तीन घायल

इंदौर। सुपर कॉरिडोर पर एक अनियंत्रित कार डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में कार चालक सहित तीन लोग घायल हो गए। हादसा ब्रिज से उतरते समय हुआ। पुलिस के मुताबिक हादसा मंगलवार बुधवार की दरमियानी रात एक बजे सुपर कॉरिडोर पर ब्रिज से उतार पर हुआ। राहगीरों ने पुलिस को सूचना नदी। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि यहां से तेज र तार से जा रही कार (एमपी 13 सीसी 1032) अचानक अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर से कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। इसमें सवार चालक और दो अन्य घायल हो गए। बताया जा रहा है कि कार में युवती भी सवार थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त कार में बीयर के कैन और प्रसाद का डिब्बा बरामद हुआ है। पुलिस के मुताबिक आशंका है कि कार चालक नशे में हो सकता है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वर्षों पुरानी झांकी परंपरा को बढ़ाने वाली 5 मिल समितियों को 10 लाख का अनुदान

● गणेश विसर्जन चल समारोह में निकलने वाली झांकियों के लिए राजकुमार, हुकुमचंद, मालवा, कल्याण और स्वदेशी मिल समितियों को मिलेंगे 2-2 लाख रुपए

इंदौर। शहर की वर्षों पुरानी गणेश झांकी परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए नगर निगम ने पांच मिलों की झांकी समितियों को कुल 10 लाख रुपए का अनुदान देने का निर्णय लिया है। महापौर-इन-कौंसिल की 18 अगस्त को हुई बैठक में पांचों समितियों को 2-2 लाख रुपए अनुदान देने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि गणेश विसर्जन चल समारोह में निकलने वाली नयनाभिराम झांकियां इंदौर की वर्षों पुरानी सांस्कृतिक और सामाजिक परंपरा का हिस्सा हैं। इस परंपरा के निर्वहन और संरक्षण के लिए राजकुमार मिल, हुकुमचंद मिल, मालवा मिल, कल्याण मिल और स्वदेशी मिल की झांकी संचालन समितियों को प्रतिवर्षानुसार अनुदान देने का निर्णय लिया गया है।

- इन पांच समितियों को 2-2 लाख रुपए
- राजकुमार मिल गणेश उत्सव समिति7 2 लाख
- हुकुमचंद मिल सार्वजनिक गणेश उत्सव समिति7 2 लाख
- मालवा मिल श्री गणेश उत्सव समिति7 2 लाख
- कल्याण मिल सार्वजनिक गणेश उत्सव समिति7 2 लाख
- स्वदेशी मिल गणेश उत्सव समिति7 2 लाख

मिलों से शुरू हुई झांकियों की परंपरा- इंदौर में गणेश विसर्जन चल समारोह की झांकियां केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि शहर की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा मानी जाती हैं। मिलों के दौर से चली आ रही यह परंपरा आज भी गणेशोत्सव के दौरान लोगों को आकर्षित करती है। अलग-अलग मिल समितियों द्वारा तैयार की जाने वाली झांकियां चल समारोह का प्रमुख आकर्षण रहती हैं। नगर निगम के इस निर्णय को इसी पुरानी परंपरा को जीवित रखने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने की पहल के रूप में देखा जा रहा है।

लंबे इंतजार के बाद तैयार हुआ नेहरु पार्क स्विमिंग पुल, सुरक्षा होगी चाकचौबंद, निगम लगाएगा विशेष उपकरण

इंदौर। नेहरू पार्क में लाखों रुपये की लागत से तैयार किए गए नए स्विमिंग पूल के आसपास अब सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किये जाएंगे । इसके साथ ही पुल परिसर में सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा। निगम ने क्षेत्रीय विधायक महेंद्र हार्डिया और पार्षद नंदकिशोर पहाड़िया की मांग पर पूल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है।

निगम द्वारा पूल के चारों ओर सुरक्षा बाउंड्री वॉल, आकर्षक रेलिंग और आवश्यक सुरक्षा उपकरण लगाए जाएंगे, ताकि तैराकों और दर्शकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसके साथ ही आसपास के क्षेत्र में ब्लॉक बिछाकर सौंदर्यीकरण का कार्य भी किया जाएगा। पार्षद नंदकिशोर पहाड़िया ने बताया कि

शहर के मध्य में पुल के शुरु होने से खिलाड़ियों को मिलेगा फायदा

लंबे इंतजार के बाद नया स्विमिंग पूल बनकर तैयार हो गया है और अब इसके आसपास की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। निगम की योजना है कि सितंबर महिने की शुरुआत में स्विमिंग पूल को आम लोगों के लिए पूरी तरह शुरू कर दिया जाए।

स्थानीय तैराको का कहना है कि लंबे समय से आधुनिक स्विमिंग पूल का इंतजार था। अब पूल के साथ बेहतर सुरक्षा और आकर्षक वातावरण मिलने से नेहरू पार्क की पहचान और अधिक मजबूत होगी। इसके साथ ही वे अब अपनी स्पर्धाओं के लिए तैयारी भी कर सकेंगे। कई महिने से पुल के बंद होने से वे प्रेक्टिस नही कर पा रहे थे जिसके कारण उनके प्रदर्शन पर भी असर पड़ रहा है। 13 वर्षिय तैराक हिमांशी ने बताया कि वे जुलाई और अगस्त में दो कांपिटिशन में भाग लेकर आई है जहां उनका प्रदर्शन पिछली बार की अपेक्षा इस बार कुछ अच्छा नही रहा इसी तरह से आशी शर्मा ने बताया कि नेहरु पार्क स्विमिंग पुल शहर के मध्य होने से यहां पर प्रेक्टीस करनेके लिए आने जाने में सुविधा रहती है इसके बंद होने से दूसरे पुल बहुत दूर होने से समय ही नही दे पा रहे थे। अब प्रेक्टीस के लिए पर्याप्त समय मिल सकेगा।

निगमायुक्त ने फिर लिया मास्टर प्लान की सड़कों का जायजा

लक्ष्मीबाई प्रतिमा तिराहा-जिंसी चौराहा सड़क कार्य में तेजी के निर्देश

इंदौर। शहर में निर्माणाधीन मास्टर प्लान की सड़कों के कार्यों को गति देने के लिए निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने लक्ष्मीबाई प्रतिमा तिराहा से जिंसी चौराहा होते हुए नेमीनाथ चौराहा तक निर्माणाधीन सड़क का जायजा लिया।

इस दौरान काम में तेजी लाने तथा जलप्रदाय और सीवरेज पाइपलाइन डालने का कार्य 15 दिन में पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही सड़क की एक लेन जल्द शुरू करने को कहा। निगमायुक्त ने खड़े गणपति से स्कीम नंबर 51 होते हुए टिगरिया बादशाह तक निर्माणाधीन मास्टर प्लान सड़क का भी निरीक्षण किया और कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। एमआर-4 मास्टर प्लान सड़क के निरीक्षण के दौरान रेलवे बोगदे तिराहा (पोलो ग्राउंड एमपीईबी कार्यालय के पास) को यातायात और सौंदर्यीकरण की दृष्टि से व्यवस्थित एवं आकर्षक बनाने के लिए प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। इसके अलावा आरएनटी मार्ग, सरवटे बस स्टैंड, मधुमिलन चौराहा और आसपास के क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिलने पर सीएसआई राजेंद्र बेगा और दरोगा विजय चावरे को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, कार्यपालन यंत्री पीएस कुशवाह, सहायक यंत्री नरेश जायसवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जलप्रदाय और सीवरेज पाइपलाइन का काम 15 दिन में पूरा करने के निर्देश, गंदगी मिलने पर सीएसआई और दरोगा को नोटिस

छात्र संघ चुनाव के पहले ही गुंडागर्दी : DAVV पर छात्रों का उग्र प्रदर्शन और हंगामा, चेनल गेट तोड़ा; 10 छात्रों पर FIR

इंदौर। छात्रसंघ चुनाव की घोषणा अभी नहीं हुई है, लेकिन चुनाव की मांग को लेकर विश्वविद्यालयों में माहौल गरमाने लगा है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में प्रत्यक्ष प्रणाली से छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन करने पहुंचे छात्रों ने जमकर हंगामा किया। प्रदर्शन के दौरान विश्वविद्यालय का मुख्य चैनल गेट टूटकर परिसर के अंदर गिर गया। घटना को लेकर विश्वविद्यालय प्रबंधन की शिकायत पर छोटी ग्वालटोली थाना पुलिस ने 10 छात्रों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। दरअसल, राऊ स्थित आईपीएस कॉलेज के छात्र बड़ी संख्या में साइकिल रैली निकालकर आरएनटी मार्ग स्थित डीएवीवी के मुख्य परिसर पहुंचे थे। छात्रों की मांग थी कि प्रदेश में छात्रसंघ चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराए जाएं और चुनाव की घोषणा जल्द की जाए। छात्र कुलपति से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपना चाहते थे। छात्रों के अनुसार, काफी देर तक कोई जिम्मेदार अधिकारी उनसे चर्चा करने नहीं पहुंचा, जिसके बाद प्रदर्शन उग्र हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आक्रोशित छात्रों ने मुख्य चैनल गेट पर धक्का-मुक्की शुरू कर दी। बड़ी संख्या में छात्रों के एक साथ जोर लगाने से गेट टूटकर परिसर के अंदर जा गिरा। गेट के पास लगा अहिल्या माता का चित्र भी बाल-बाल बचा, हालांकि उसके नीचे का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ। घटना के दौरान किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। इसके बाद प्रदर्शनकारी नारेबाजी करते हुए परिसर में दाखिल हुए और कुलपति तथा कुलसचिव से उनकी बहस भी हुई।

विश्वविद्यालय ने पुलिस में की शिकायत

तोड़फोड़ की घटना के बाद विश्वविद्यालय के अधिकारी और कर्मचारियों में नाराजगी फैल गई। कुलपति सिंघल के कक्ष में कुलसचिव प्रज्ज्वल खरे सहित अन्य अधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई का निर्णय लिया गया। विश्वविद्यालय प्रबंधन की शिकायत पर छोटी ग्वालटोली थाना पुलिस ने 10 छात्रों के खिलाफ शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, बिना अनुमति प्रदर्शन करने और विश्वविद्यालय परिसर का माहौल बिगाड़ने सहित संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस अब प्रदर्शन के दौरान बनाए गए वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर घटना में शामिल छात्रों की भूमिका की जांच कर रही है।

छात्रों का पक्ष भी सामने आया

प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि वे शांतिपूर्वक अपनी मांग रखने और कुलपति को ज्ञापन देने पहुंचे थे। उनका दावा है कि धक्का-मुक्की के दौरान चैनल गेट टूट गया और इसमें उनकी जानबूझकर तोड़फोड़ करने की कोई भूमिका नहीं थी।

गौरतलब है कि हाईकोर्ट के निर्देश के बाद प्रदेश में छात्रसंघ चुनाव को लेकर चर्चा तेज है, लेकिन शासन ने अभी चुनाव की तारीख और प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष प्रणाली को लेकर अंतिम घोषणा नहीं की है। ऐसे में चुनाव की औपचारिक घोषणा से पहले ही डीएवीवी में हुई यह घटना छात्र राजनीति के बदलते तेवरों का संकेत जरूर दे रही है।

इंदौर में नशा मुक्ति अभियान तेज, हर कॉलेज में बनी नशा मुक्ति समिति

- **मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर कार्रवाई के साथ जागरूकता अभियान भी जारी, आबकारी विभाग की अवैध शराब के खिलाफ लगातार कार्रवाई**

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर जिले में नशा मुक्ति अभियान को और तेज किया गया है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर आबकारी विभाग अवैध शराब के खिलाफ लगातार कार्रवाई करने के साथ स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता अभियान चला रहा है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने बताया कि अभियान के तहत अवैध शराब बिक्री और नशे से जुड़े मामलों में कार्रवाई जारी है। इसके साथ ही युवाओं को नशे से दूर रखने और उन्हें जागरूक करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी कॉलेजों में फैकल्टी और विद्यार्थियों की नशा मुक्ति समितियां गठित की गई हैं। ये समितियां युवाओं की गतिविधियों की निगरानी करने के साथ उन्हें नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर रही हैं। कलेक्टर ने कहा कि युवाओं को मजबूत और सशक्त बनाकर नशे की ओर बढ़ने से रोकना अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध शराब के ठिकानों पर लगातार छापेमारी और कार्रवाई की जा रही है। वहीं होलकर साइंस कॉलेज सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में सेमिनार, जागरूकता कार्यक्रम और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी जा रही है। अधिकारियों के अनुसार अभियान में कार्रवाई के साथ जागरूकता और युवाओं की सहभागिता को भी प्राथमिकता दी जा रही है।

मेरा युवा भारत, इंदौर द्वारा 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान का शुभारंभ, 300 से अधिक युवाओं ने लिया संकल्प

इंदौर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत माय भारत, इंदौर द्वारा 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' अभियान का शुभारंभ चमेली देवी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, इंदौर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय सांसद शंकर लालवानी रहे। कार्यक्रम के दौरान देशभर के युवाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रेरणादायी वर्चुअल संबोधन सुनाया गया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने युवाओं से नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली

अपनाने तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर 300 से अधिक युवाओं ने सहभागिता करते हुए नशा मुक्ति की शपथ भी ली। कार्यक्रम के दूसरे चरण में युवाओं की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु भाषण, कविता लेखन, स्लोगन लेखन, पेंटिंग, रील मेकिंग, नृत्य, संगीत एवं नुक्कड़ नाटक सहित कुल आठ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता, भोपाल में इंदौर जिले का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने युवाओं से नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया तथा इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का आयोजन माय भारत, इंदौर द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया।

गुजरात स्टेट यूनिवर्सिटीज़ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट टीचर्स एसोसिएशन की एनुअल जनरल मीटिंग हुई

दैनिक सदभावना पाती

गुजरात स्टेट यूनिवर्सिटीज़ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट टीचर्स एसोसिएशन की एन्यूअल जनरल मीटिंग, जो 25 जुलाई को होनी थी, अतिवृष्टी के कारण से मुलतवी रही थी आज गांधीनगर चैरिटेबल ट्रस्ट समर्पण आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज, गांधीनगर में एसोसिएशन के स्थापक एवम् गुजरात यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एस. बी. वोरा की अध्यक्षता में हुई, एसोसिएशन के ट्रेज़रर डॉ. उर्मिश जावेरी ने पिछले फाइनेंशियल ईयर के अकाउंट्स पेश किए जिन्हें एकमत से मंजूरी मिली, जिसके बाद एसोसिएशन के माननीय मंत्री और समर्पण कॉलेज के आचार्य डॉ. आशीष जनकराय दवे ने पिछले साल की प्रवृति और मुंबई और जलगांव में महाराष्ट्र स्टेट कॉमर्स एसोसिएशन के साथ मिलकर आयोजित किए गए दोनों कॉन्फ्रेंस की रिपोर्ट पेश की, साथ ही अगले महीने अक्टूबर में गांधीनगर के समर्पण आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज में महाराष्ट्र स्टेट कॉमर्स एसोसिएशन के साथ होने वाले कॉन्फ्रेंस अभ्युदय - 2026 की शुरुआती प्लानिंग के बारे में एक प्रेजेंटेशन दिया और सभी ने कॉन्फ्रेंस के मुख्य टॉपिक 'Silk Routes to Digital RoutesÑ Sustainability, Innovation and the Transformation of Global Business anda Culture' पर चर्चा विमर्श करके सर्वसम्मति से निश्चित किया। नवनियुक्त पदाधिकारियों में आगामी पांच वर्षों के लिए सर्वसम्मति से के.के. पारेख कॉमर्स कॉलेज अमरेली के प्राध्यापक डॉ. महेश एम. पटेल- अध्यक्ष, डॉ. कीर्तन रावल- वरिष्ठ उपाध्यक्ष, प्राचार्य डॉ. विज्ञाबेन ओझा - उपाध्यक्ष, डॉ. आशीष जनकराय दवे- मंत्री, डॉ. कल्पेश के. पटेल- सहमंत्री, डॉ. उर्मिश झवेरी- कोषाध्यक्ष, डॉ. राजेंद्रकुमार वी. रावल- सह कोषाध्यक्ष, प्रोफेसर डॉ. गुरुदत्त जप्पी- प्रकाशन प्रमुख, डॉ. रामभाई भरडा एवं प्राध्यापक महर्षि रहेवर- आई.टी. प्रमुख के साथ ही नई कार्यकारिणी सदस्यों को सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया। अंत में प्रोफेसर एस.बी. वोरा ने सभी को आशीर्वाद देते हुए कहा कि यह पद प्रतिष्ठा के लिए नहीं बल्कि पारदर्शिता के साथ सरस्वती की सेवा का माध्यम है, इसलिए किसी भी पूर्वाग्रह, पक्षपात या संकुचितता से परे, शोध प्रक्रिया के पूरक कार्यों के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लिए उत्कृष्ट शोध एवं साहित्य सृजन जारी रखने का मार्गदर्शन दिया।

Adani Electricity conducts monsoon safety awareness drive in its power distribution areas

Mumbai(Agency): Adani Electricity is organising a 'Monsoon Safety Awareness Drive' in BMC schools and slums across its power distribution areas to create awareness about electricity safety during the monsoon season. Students, teachers and Adani Electricity Safety officials conducted it across its areas, including Ganeshbaug BMC Marathi Semi English School in Kurla West. Adani Electricity proactively escalated its disaster management readiness in preparation for the monsoon season, aiming to safeguard its 3.15 million customers from potential disruptions. To address any emergencies that may arise during the monsoon, Adani Electricity activated its Central Disaster Control Centre (CDCC). This pivotal hub orchestrates response efforts and operates round-the-clock, ensuring swift action and communication throughout the monsoon period. "Our team is fully prepared to address monsoon season related challenges," said an Adani Electricity spokesperson in an earlier statement. "With the support of our Quick Response Teams and the Central Disaster Management team, we are committed to ensuring the safety of our consumers and maintaining a reliable power supply," the spokesperson added.

India's 3rd-party logistics leads warehouse market with 110 mn sq. ft absorption

New Delhi(Agency): India's third party (3PL) logistics sector became the dominant occupier in the country's warehousing market, recording cumulative gross absorption exceeding 110 million sq. ft between 2021 and the first half of 2026, a report said on Wednesday. The report from JLL said the sector maintained a consistent share of gross warehousing demand, ranging between 28 per cent and 42 per cent across the period, and accounted for 11.1 million sq. ft of absorption in H1 2026 alone. Grade A facilities have raised their share from 50 per cent in 2021 to 57 per cent in 2025, while average deal sizes expanded 25 per cent from 1 lakh sq. ft in 2021 to 1,25,000 sq. ft in 2025, the report added. "India's 3PL sector consistently captures the highest share of gross warehousing demand, thus establishing itself as one of the market's most consistent growth engines," Yogesh Shevade, Managing Director, Industrial & Logistics, India, JLL. The 25 per cent expansion in average deal sizes is not just about scale but it signals a long term trajectory of growth and appetite for future ready infrastructure, he added.

India must balance tax-base protection with certainty for global investors: Top I-T official

New Delhi(Agency): India's international tax framework is at a critical juncture and the country needs to balance protection of its tax base with policy stability, predictability and certainty for global investors, Monica Bhatia, Principal Chief Commissioner of Income Tax (International Tax), said on Wednesday. Addressing the 23rd International Tax Conference organised by ASSOCHAM here, Bhatia said the Supreme Court's Tiger Global judgment, the

new Income-tax Act, evolving dispute-resolution mechanisms and rapid advances in technology were reshaping the international tax landscape. "Policy stability is foundational to investor confidence," Bhatia said. She also highlighted measures taken by the government following the Tiger Global judgment to provide greater certainty to bona fide legacy investments. Bhatia also emphasised India's progress in advance pricing agreements (APAs) and said that the country has crossed the 1,000-agreement mark, including more than 220 bilateral agreements. Looking ahead, the senior Income Tax official said artificial intelligence changing business models as well as tax administration, raising new questions around permanent establishment, profit attribution and the location of value creation.

West Bengal can drive industrial growth with cluster-based, export-oriented manufacturing: PHDCCI

New Delhi(Agency): West Bengal can significantly accelerate its industrialisation by adopting a cluster-based, technology-intensive and export-oriented manufacturing strategy that leverages its strong human capital, industrial base, infrastructure and strategic location, a report said on Wednesday.

The report by the PHD Chamber of Commerce and Industry (PHDCCI), "West Bengal: Mapping Agriculture and Industrial Investment Opportunities", said the State's existing advantages in engineering, electronics, logistics, ports, skilled manpower and natural resources provide a strong foundation for developing integrated manufacturing and export clusters. It emphasised that the focus should shift from simply expanding production capacity to deepening value chains, upgrading technology and connecting local industries with national and global markets. PHDCCI President Rajeev Juneja said West Bengal has a substantial base for accelerating industrialisation and investment, with the key opportunity being to convert its natural, human, industrial and logistical advantages into integrated, investment-ready manufacturing and export clusters. "The report concludes that West Bengal has a substantial base for accelerating industrialisation and investment. It identifies the key opportunity as converting the State's existing natural, human, industrial and logistical advantages into integrated, investment-ready manufacturing and export clusters," Juneja stated.

Samsung's new foldable smartphones may get costlier in India

New Delhi(Agency): Samsung is likely to increase the prices of its latest foldable smartphones in India, including the Galaxy Z Fold8 Ultra, Galaxy Z Fold8 and Galaxy Z Flip8, as rising memory chip costs put pressure on smartphone makers, leading retailers and industry analysts said. The new Samsung foldables, priced between Rs 1.25 lakh and Rs 2.6 lakh, have received an unprecedented response in India. Samsung India said nearly 2.71 lakh consumers pre-ordered the three devices within just 72 hours of their launch, marking record pre-orders for the company's foldable smartphone portfolio. Retailers now expect the strong demand for memory chips, a critical component in smartphones, to push up device costs further.

Analysts also believe Samsung may eventually pass on part of the higher component costs to consumers after absorbing a significant portion of the increase so far. The latest foldables represent Samsung's most advanced foldable lineup yet, with improvements across hinge design, displays, durability and performance, along with purpose-built Galaxy AI features. The Galaxy Z Fold8 Ultra measures just 4.1mm when unfolded, making it the company's thinnest Galaxy Z Fold device, while the Galaxy Z Fold8 weighs 201 grams, making it the lightest Fold model from Samsung. Samsung President and CEO, Southwest Asia, JB Park, recently said the company has been absorbing a substantial portion of the rising smartphone costs to protect consumers from the full impact of price increases. "If you compare how much they (competition) have increased the price, Samsung's increment is relatively lesser than competition because we have been absorbing the cost," Park said in London at the launch of the new Galaxy foldables.

ट्रैंड में आई मीनाकारी ज्वैलरी

गहने महिलाओं की पर्सनैलिटी बढ़ाने का काम करते हैं। भारतीय महिलाएं तो हर फंक्शन के लिए लेटेस्ट डिजाइन व वैरायिटी वाली ज्वैलरी पहनने की शौकीन होती हैं। मौका मिलता नहीं कि महिलाएं नए-नए ज्वैलरी डिजाइन्स तलाशने के लिए शॉपिंग के लिए निकल पड़ती हैं। वहीं दुल्हन के ब्राइडल लहंगे के बाद जिस चीज पर लोगों नजर जाती है वो है ज्वैलरी। यहीं वजह है लड़कियां अपनी शादी के लहंगे से मैचिंग व ट्रैंड के ध्यान में रखते हुए ज्वैलरी सिलैक्ट करती हैं।

वैसे तो आजकल आपको हैवी ज्वैलरी से लेकर लाइटवेट ज्वैलरी के ढेरों डिजाइन्स मिल जाएंगे लेकिन मीनाकारी ज्वैलरी अलग ही ग्रेस होती हैं। मीनाकारी व कुंदन ज्वैलरी न केवल रॉयल लुक देती है बल्कि इन्हें आप अपने लहंगे के कलर से मैच करके भी खरीद सकती हैं।

मीनाकारी ज्वैलरी की खासियत

खास बात यह है कि इन ज्वेलरी में कलरफुल स्टोन के साथ डायमंड, पोल्की और मीनाकारी के साथ डायमंड का फ्यूजन भी देखने को मिल रहा है। ये ज्वेलरी न सिर्फ रीजनेबल है, बल्कि फ्यूजन के कारण बाकी ज्वेलरी से डिफरेंट भी हैं, जो हर लुक के साथ सूट कर जाती हैं। दूसरा मीनाकारी ज्वैलरी पर किया गया बारीक कलरफुल वर्क भी हर किसी को अट्रेक्ट कर जाता हैं। अगर आप भी जल्द ही दुल्हन बनने वाली बैं और अपने लिए वैडिंग ज्वैलरी सिलैक्ट कर रही हैं तो आज हम आपको मीनाकारी वर्क वाली ज्वैलरी के लेटेस्ट डिजाइन्स दिखाएं, जिनको पहनने से आपकी खूबसूरती और निखर सामने आएगी।

थोड़ी सी हंसी थोड़ी सी खुशी

सच ईश्वर की इबादत का यह नायाब तरीका है, जिसे मैंने कुछ ही दिनों पहले अनुभव किया। किसी करुणा भरे चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास किया और बदले में मुझे मिली ढेर सारी खुशियां।

एक दिन किराने की दुकान से सामान खरीदने में व्यस्त थी कि छोटे-छोटे बच्चों की चहचहाहट ने मेरा ध्यान आकर्षित किया। बच्चे जिनकी उम्र चार और छह वर्ष की रही होगी अपने दादाजी के साथ दुकान पर आए वे लोग फटे-पुराने कपड़े पहने हुए थे, जिससे उनकी आर्थिक विपन्नाता साफ दिखाई दे रही थी।

छोटी बच्ची दुकान मालिक के पास जाकर नन्हे-नन्हे हाथ मटकाकर बोली- भैया टॉफी दे दो। वोइच(वही वाली) जो वा (उस)दिन दी थी। दुकानदार ने उसे झिड़ककर पूछा- पैसे है? बच्ची अपने दादाजी की ओर आशाभरी नजरों से देखकर बोली- दादू दे है न।

दादाजी जो दस रुपए का तेल, दो रुपए की चायपत्ती, दस रुपए की चीनी खरीद रहे थे बच्चों के लिए टॉफी न खरीद पाने की विषमता उनके चेहरे पर साफ दिखाई दे रही थी। बच्चे अपने दादाजी से टॉफी खरीदने की जिद करने लगे इस बार दादाजी ने उन्हें डांट दिया दोनों बच्चे मायूस हो गए। उनकी बड़ी-बड़ी चमकीली आंखें पनीली हो गईं। बच्चों की करुणाभरी, अनकही, अबोली आवाज मेरे हृदय को झकझोर गई। मैंने दुकानदार से टॉफी खरीदकर बच्चों को दे दी। दोनों बच्चे खुशी से उछल पड़े। उन्होंने टॉफी को रेपर से निकाला और चप्पचप्प की आवाज कर आंखें बंद कर बहुत स्वाद लेकर टॉफी खाने लगे। कभी खिलखिलाए, कभी हंसे, कभी मुस्कुरा दिए। छोटी सी टॉफी के बदले बच्चों ने जो खुशी बिखेरी उससे मेरे चेहरे के साथ-साथ दुकानदार, बच्चों के दादाजी और दुकान पर खड़े सभी ग्राहकों के चेहरे पर मुस्कान बिखर गई। अब यह इत्ती-सी हंसी, इत्ती-सी खुशी नहीं रही बल्कि बहुत बड़ी खुशी बन गई। क्या आपने किसी करुणा भरे चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास किया है? नहीं? तो कीजिए, यकीन मानिए यह छोटा-सा प्रयास आपको भी बड़ी-सी प्रसन्नता और खिलखिलाहट दे जाएगा।

बच्चे के कमरे में करें वास्तु परिवर्तन निश्चित ही वह मन लगाकर पढ़ेगा

अगर आपके बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं लग रहा है या वह पढ़ाई से जी चुरा रहा है, उसका स्वास्थ्य भी ठीक नहीं रहता हैं तो आप नीचे दिए गए टिप्स के अनुसार बच्चे के कमरे में वास्तु परिवर्तन करेंगे तो निश्चित ही वह मन लगाकर पढ़ेगा तथा उसका स्वास्थ्य भी अनुकूल रहेगा।

- बच्चों के कमरे में पर्याप्त रोशनी आनी चाहिए। व्यवस्था ऐसी हो कि दिन में पढ़ते समय उन्हें कृत्रिम रोशनी की आवश्यकता ही न हो।
- जहां तक संभव हो सके, बच्चों के कमरे की उत्तर दिशा बिलकुल खाली रखना चाहिए।
- उनके किताबों की रैक नैऋत्य कोण में स्थित हो सकती है।
- खिड़की, एसी तथा कूलर उत्तर दिशा की ओर हो।
- बच्चों के कमरे में स्थित चित्र एवं पेंटिंग्स की स्थिति उनके विचारों को प्रभावित करती है इसलिए हिंसात्मक, फूहड़ एवं भड़काऊ पेंटिंग्स एवं चित्र बच्चों के कमरे में कभी नहीं होना चाहिए।
- महापुरुषों के चित्र, पालतू जानवरों के चित्र, प्राकृतिक सौंदर्य वाले चित्र तथा पेंटिंग्स बच्चों के कमरे में हो सकती हैं।
- भगवान गणेश तथा सरस्वती जी का चित्र कमरे के पूर्वी भाग की ओर होना चाहिए। इन दोनों की देवी-देवताओं को बुद्धिदाता माना जाता है अत : सौम्य मुद्रा में श्री गणेश तथा सरस्वती की पेंटिंग या चित्र बच्चों के कमरे में अवश्य लगाएं।
- आपका बच्चा जिस क्षेत्र में करियर बनाने का सपना देख रहा है, उस करियर में उच्च सफलता प्राप्त व्यक्तियों के चित्र अथवा पेंटिंग्स भी आप अपने बच्चों के कमरे में लगा सकते हैं।
- यदि बच्चा छोटा हो, तो कार्टून आदि की पेंटिंग्स लगाई जा सकती है।
- बच्चों के कमरे में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि घर में होने वाला शोरगुल उन्हें बिलकुल बाधित न करे अत : बच्चों के कमरे से घर की तरफ कोई खिड़की या झरोखा खुला हुआ नहीं होना चाहिए।
- बच्चों की श्रेष्ठ उन्नति के लिए उनके कमरे का वास्तु के अनुकूल होना आवश्यक है।
- यदि उपर्युक्त तथ्यों में आपके बच्चों के कमरे में कोई कमी है, तो उसे परिवर्तित कर वास्तु के अनुकूल बना सकते हैं। ऐसा करने पर निश्चित रूप से आपके बच्चे के मानसिक विकास एवं उसकी ग्राह्य क्षमता में परिवर्तन नजर आएगा।

ऐसा उपहार न दें तो ही बेहतर

बेबी की दोस्त अलका ने कान में जो टॉप्स पहने थे उसमें एक सफेद मोती चिपका था। वो बड़े जतन से उसे संभाल कर पहने थी। कहीं गिर न जाएं। बेबी ने पूछा ऐसे क्यों कर रही ? अलका ने बड़े प्यार और गर्व से बताया कि मेरी भाभी नेपाल से ये टॉप्स सच्चे मोती के लाई है। बहुत महंगे हैं। सुन कर बेबी जोर-जोर से हंसने लगी। बोली ये टॉप्स आड़ा बाजार के हैं। ठेलों में दस-दस रूपये में मिल रहे हैं। तेरी भाभी जब खरीद रही थी तब मैं भी वहीं खड़ी थी। ये देख मैंने भी लिये। अलका का मुंह उतर गया। शर्मिंदगी होने लगी खुद पर। सोचने लगी उसकी भाभी ने ऐसा उसके साथ क्यों किया? पर कोई कारण उसे समझ ही नहीं आया। एक बार लक्ष्मी को डॉक्टर ने हवा पानी बदलने की सलाह दी। ज्यादा दूर जाने की बजाय उसके घर के लोगों ने उन्हें पचमढ़ी जाने की सलाह दी। उस की बड़ी बहन भी भोपाल ही रहती थी तो उसे भी ठीक लगा। वहां एक रात रुकने का इरादा किया। अगली सुबह पचमढ़ी, फिर वापिस इंदौर लौट आने का कार्यक्रम तय हो गया। अपनी नन्ही सी बेटी के साथ निजी वाहन में चल पड़े। शादी के बाद पहली बार बहन के घर जा रहे थे। बड़े खुश थे। रात को पहुंच कर खाना खाया और सुबह निकलने की तैयारी की। बहन हाथ में कुछ पैकेट लिए आई। कंकू लगाया और पैकेट थमा दिए। लक्ष्मी ने ऐसे के ऐसे ही बेग में रख लिए। तय कार्यक्रम से पचमढ़ी टूर पूरा किया, घर लौट आये। सभी के सामने बड़ी बहन के दिए गिफ्ट खोले। उसमें लक्ष्मी की सालभर की गुडिया का छोटा सा गर्मियों में पहनने सा दो बद्दी वाला लेडिस रुमाल के जितने कपड़े वाला फ्राक/झबला, पति के लिए खादी का कुरता, लक्ष्मी के लिए सलवार कुर्ता था।

यहां तक तो ठीक है पर जब देखा तो उसमें प्राइज टेग लगे थे। उनमें सभी की कीमत लिखीं थी। जानते हैं उनमें क्या कलाकारी थी? उसने उन सभी में अंक बढा दिए थे। किसी में आगे जीरो किसी में पीछे संख्या। साथ ही जिस पेन से किये उनकी स्याही का रंग व लिखावट में भारी अंतर था। वो भूल गई की सभी अन्न खाते हैं। लक्ष्मी के ससुर उसी वक्त घर के सामने ही खादी ग्रामोद्योग की दुकान गए और वहां से उनकी असल कीमत जानी। कितनी हद है यह तो। आपने अपनी मर्जी से दिए थे न, तो फिर ऐसी नालायकी करने की क्या जरुरत आ पड़ी। उसकी बहन का पति बैंक मनेजर, वो खुद सेंट्रल गवरमेंट की अच्छी खासी नौकरी में थी। शायद लक्ष्मी व उसके पति को उसने अपनी झूठी शान की छाप छोड़ने के लिए ऐसी बेवकूफाना हरकत की हो। पर ये निरी परम मूर्खता ही थी। जिससे लक्ष्मी को तो लज्जित होना ही पड़ा, संबंधों में भी आजन्म खटास पैदा हो गई। लक्ष्मी ने तुरंत यह कह कर सब वापिस भेज दिए कि हम इतने महंगे कपड़े नहीं पहनते। उसकी बहन को समझ तो सब आ गया था पर जिसकी आंखों और अक्ल में बेशर्मी की पट्टी चढ़ी होती है उसे कुछ भी दिखाई जो नहीं देता। और ऐसे लोग ऐसी हरकतों से बाज भी नहीं आते। कभी 'म्यांमार' की साड़ी पहनी है आपने? साडियां पहनने वाला भारत देश अब म्यांमार से साड़ी बुलवाएगा। सोच कर ही तरस आता है ऐसे लोगों पर। निधि के मकान का वास्तु हुआ था। उसकी मामी ने एक साड़ी उसे यह कहकर ओढाई की तेरे मामा इसे म्यांमार से तेरे लिए लाये हैं। हरे रंग की मोटे रेग्जिन से कपड़े वाली साड़ी का वे जोर जोर से सबके बीच 'इम्पोर्टेड है' कह कर बखान रहे थे। निधि पढी-लिखी डॉक्टरेट थी। पर चुप थी।

उसकी भाभी ने बताया की यह साड़ी मामी को उनके पीहर से उनकी भाभी ने दी थी जो इन्हें पसंद नहीं आई। आनी भी नहीं थी। हम भारतवासीयों को 'म्यांमार' की साड़ी कैसे पसंद ? बस उन्होंने 'टिका' दी निधि को। अकेले में निधि ने मामी से पूछ ही लिया कि 'मामी विदेशों में वो भी म्यांमार जैसी जगह साडियां कैसे? मैंने तो कहीं पढ़ा-सुना नहीं। यदि हैं तो गईं भारत से ही होंगी न? वैसे ऐसी साड़ी मैंने आपके पीहर में किसी के पास देखी है।'

बस मामी को काटो तो खून नहीं। उनका दांव फेल जो हो गया था। आज की भाषा में 'एक्सपोज' होना कहते हैं इसे। क्यों करते हैं लोग ऐसा समझ से ही परे है। इन सभी परिस्थितियों को आपको खुद ही अपनी बुद्धि व विवेक से परिस्थितियों के मद्देनजर निपटना व सुलझाना होता है। इस बीमारी का कोई परमानेंट ईलाज आज तक नहीं मिल पाया है। 'जैसे को तैसा' वाला फार्मूला चला सकें तो लगाइए। वरना भुगतें । सहन करें। या 'मुंह फट' हो जाइए। क्योंकि ऐसा ही कुछ आपके, हमारे, हम सभी के साथ कभी न कभी घटता है। यदि नहीं तो आप बहुत भाग्यशाली हैं।

ये सारे लोग किसी दूसरे ग्रह से नहीं आते। यहीं होते हैं हमारे साथ, हमारे आस-पास। कुछ अपने कुछ पराये जिन्हें दूसरों के साथ ऐसा करने की गन्दी लत पड़ी होती है। यह तो कुछ छोटे से, जरा से ही उदाहरण मैंने पेश किए हैं। इनके आलावा भी कई और कई प्रकार के , कई मौकों पर गिफ्ट-गेम इज्जत का फलूदा करते-कराते खेले जाते हैं और खेले जाते रहेंगे। कारण कई हो सकते है क्योंकि ये जीवन है, इस जीवन का यही है.

क्या विंटर सीजन में पैदा हुए बच्चे ज्यादा स्वस्थ होते हैं?

हर मां अपने बच्चे के लिए सब कुछ बेस्ट चाहती है। बेस्ट भोजन, बेस्ट कपड़े, बेस्ट नैप्पी हर चीज बेहतरीन। लेकिन क्या आप जानती हैं कि उनके जन्म के लिए बेस्ट सीजन का ध्यान रखना भी जरूरी है। सुनने में यह थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन ये सच है कि एक सीजन में पैदा हुए बच्चे दूसरे बच्चों से ज्यादा स्वस्थ होते हैं। यह नवीन जानकारी एक हालिया रिसर्च में सामने आई है। आइये जानते हैं क्या कहती है ये स्टडी।

क्या है ये नवीन स्टडी ?

नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस जर्नल में प्रकाशित प्रिंसटन यूनिवर्सिटी की स्टडी में यह सामने आया है कि मौसम बच्चों को बहुत प्रभावित करता है। इस स्टडी में 1994 से 2006 तक के न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और पेंसिल्वेनिया में जन्मे बच्चों को स्टडी किया गया। कोलंबिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक और शोधकर्ता डॉ डगलस आलमंड का मानना है कि ये स्टडी पिछले काफी समय से आवश्यक थी और इसे किया जाना महत्वपूर्ण था।

क्या है बच्चों के पैदा होने के लिए सबसे अनुकूल समय

आपको जानकर हैरानी होगी कि सर्दियों में पैदा होने वाले बच्चे गर्मियों में पैदा होने वाले बच्चों के मुकाबले 13 प्रतिशत ज्यादा कमजोर होते हैं। यही नहीं, सर्दियों में प्री मैच्योर डिलीवरी भी बढ़ जाती हैं। इसके साथ ही सर्दियों में पैदा होने वाले शिशु का वजन कम होता है, इम्यून सिस्टम कमजोर होता है। साथ ही शिशु की देखने और सुनने की क्षमता पर भी प्रभाव देखने को मिले हैं। सेंटर ऑफ डिसीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन के अनुसार सर्दियों में कम तापमान, अधिक संक्रमण के जोखिम और प्रदूषण के कारण ऐसा होता है। शिशु के पैदा होने के लिए गर्मियों का समय सबसे अनुकूल होता है। उसमें भी जून से अगस्त तक का समय सबसे स्वस्थ होता है।

गर्भ धारण करने के लिए कौन सा समय सबसे अनुकूल है ?

अब चूंकि आप जानती हैं कि गर्मियां बच्चे के पैदा होने के लिए परफेक्ट समय है, तो गर्भ धारण करने के लिए सर्दियां सबसे सही सीजन होती हैं। इस रिसर्च में यह पाया गया है कि सर्दियां कंसीव करने के लिए परफेक्ट मौसम है। इसके पीछे कई कारण है। सबसे महत्वपूर्ण तो ये कि सर्दियों में कम तापमान के कारण स्पर्म काउंट बढ़ जाता है और गर्भ धारण करने की संभावना बढ़ जाती है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण है कि प्रेगनेंसी के शुरुआती समय मे शरीर संक्रमण इत्यादि के लिए इतना सम्भावित नहीं होता। यही कारण है कि सर्दियां गर्भ धारण के लिए परफेक्ट समय मानी जाती हैं। डियर लेडीज यदि आप फैमिली प्लानिंग कर रहे हैं, तो सर्दियों में ट्राई करें। यह न सिर्फ आपके प्रेगनेंट होने की चान्सेस बढ़ा देगा, बल्कि आपके शिशु को ज्यादा स्वस्थ बनाएगा।

600वें टेस्ट में भारत ने दर्ज की जीत, श्रीलंका 165 रन से हारा

मानव सुथार ने मैच में 10 विकेट लिए; देवदत्त पडिक्कल प्लेयर ऑफ द मैच बने

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की उम्मीदों को दी उड़ान

गॉल (एजेंसी)। भारत ने गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। यह भारत का 600वां टेस्ट मैच था। भारत की जीत के हीरो 24 साल के लेफ्ट आर्म स्पिनर मानव सुथार रहे। उन्होंने श्रीलंका की दूसरी पारी में 6 विकेट सहित मैच में 10 विकेट लिए। देवदत्त पडिक्कल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने इस मैच में कुल 211 रन बनाए। पडिक्कल ने पहली पारी में 167 और दूसरी पारी में 44 रन की पारी खेली।

सुथार को एक ओवर में 3 विकेट

मैच के पांचवें दिन बुधवार को दूसरी पारी में श्रीलंका का स्कोर 75 ओवर में 6 विकेट पर 199 रन था। सुथार ने अगले ओवर में तीन विकेट लेकर भारत की जीत लगभग तय कर दी। इस ओवर में सुथार ने सोनल दिनुषा, प्रभात जयसूर्या और लाहिरु कुमारा को आउट किया। श्रीलंका का स्कोर 9 विकेट पर 199 रन हो गया। सुथार ने अपने अगले ओवर में केशरा नुवांथा को आउट कर श्रीलंका की पारी समेट दी।

- **पहली पारी में पडिक्कल का शतक, भारत ने 462 रन बनाए** – भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। देवदत्त पडिक्कल ने तीसरे नंबर पर उतरकर 230 गेंद में 167 रन बनाए। उनकी पारी में 15 चौके और एक छक्का था। उन्होंने केएल राहुल के साथ 162 रन की साझेदारी की।केएल राहुल ने 82, ध्रुव जुरेल ने 51 और ऋषभ पंत ने 39 रन बनाए। भारत ने 462 रन बनाए।

दूसरी पारी में पंत ने 66 रन बनाए

भारत की दूसरी पारी 193 रन पर सिमट गई। ऋषभ पंत ने 69 गेंद में 66 रन बनाए। उन्होंने 8 चौके और 2 छक्के लगाए। पंत के अलावा केएल राहुल ने 35 और पडिक्कल ने 44 रन बनाए।

श्रीलंका की पहली पारी में दिनूषा का शतक

श्रीलंका की पहली पारी में सोनल दिनूषा ने 168 गेंद में 100 रन बनाए। निरोशन डिकवेला ने 80 रन की पारी खेली। भारत की ओर से मानव सुथार ने 4 और रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट लिए। श्रीलंका पहली पारी में 284 रन बना सका।

मानव सुथार को दूसरे ही टेस्ट में 10 विकेट

मानव सुथार ने पहली बार एक मैच में 10 विकेट लेने का कारनामा किया। उन्होंने श्रीलंका की पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट लिए। वे विदेश में भारत के लिए एक टेस्ट में 10 विकेट लेने वाले सातवें स्पिनर बने।सुथार की उम्र 24 साल 16 दिन थी। वे 28 साल की उम्र से पहले विदेशी टेस्ट में 10 विकेट लेने वाले भारत के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने।

डब्ल्यूटीसी प्वाइंट्स टेबल

ऑस्ट्रेलिया- पीसीटी - 77.78	भारत-पीसीटी- 53.33
साउथ अफ्रीका- पीसीटी- 75.00	श्रीलंका-पीसीटी- 33.33
न्यूजीलैंड- पीसीटी- 72.22	इंग्लैंड-पीसीटी- 24.36
बांग्लादेश-पीसीटी- 66.67	पाकिस्तान-पीसीटी- 22.22

ऑस्ट्रेलियाई टेनिस खिलाड़ी निक किर्गियोस कोकीन जांच में पाए गए पॉजिटिव

अस्थायी रूप से निलंबित

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई टेनिस खिलाड़ी निक किर्गियोस ने बुधवार को खुलासा किया कि उनका कोकीन टेस्ट पॉजिटिव आया है और उन्हें अस्थायी रूप से टेनिस से निलंबित कर दिया गया है। किर्गियोस 2022 विंबलडन के एकल फाइनल में नोवाक जोकोविच से हारकर उप विजेता रहे थे। 31 वर्षीय किर्गियोस लगातार चोटों के कारण विश्व रैंकिंग में अभी 919वें स्थान पर काबिज है। किर्गियोस ने सोशल मीडिया पर इस मामले की जानकारी साझा की। उन्होंने जून में आयोजित एक निचेल स्तर के टूर्नामेंट का जिक्र करते हुए लिखा, हाल में मल्लोर्का में मेरा ड्रग परीक्षण पॉजिटिव आया जिसमें मैं कोकीन के लिए पॉजिटिव मिला। उन्होंने कहा, मैंने बहुत बड़ी गलती की और इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं।% प्रतियोगिताओं के दौरान कोकीन को प्रतिबंधित डोपिंग पदार्थ माना जाता है। हालांकि प्रतियोगिता से बाहर इसके इस्तेमाल के मामलों में कम सजा का प्रावधान हो सकता है। किर्गियोस ने कहा कि पिछले दो वर्षों से चोटों से जूझने के कारण अपने करियर के अंतिम दौर के करीब पहुंचने की वास्तविकता को स्वीकार करना उनके लिए मुश्किल रहा है। उन्होंने कहा, कई बार मैंने खुद को असहाय और अकेला महसूस किया है। लेकिन इनमें से कोई भी बात मेरे किए को सही नहीं ठहराती। पिछले महीने किर्गियोस को विंबलडन में युगल खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड मिला था। उन्होंने अलेक्जेंडर बुब्लिक के साथ जोड़ी बनाई, लेकिन पहले ही दौर में हार गए।

हैरी ब्रुक नंबर-1 टेस्ट बैटर बने

हेड चौथे पर फिसले

बुमराह 21 महीने से लगातार नंबर-1 बॉलर, गिल वनडे के टॉप बल्लेबाज

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी ने 19 अगस्त को मेंस वीकली रैंकिंग जारी कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डार्विन टेस्ट में बांग्लादेश की ऐतिहासिक 9 विकेट की जीत का असर रैंकिंग में देखने को मिला है। इंग्लैंड के हैरी ब्रूक टेस्ट बैटर्स की रैंकिंग में फिर नंबर-1 बन गए हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड खिसककर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट बॉलर्स की रैंकिंग में लगातार 21 महीने से नंबर-1 बने हुए हैं। बुमराह ने नवंबर 2024 में पहला स्थान हासिल किया था और तब से इसे बरकरार रखा है। उनके खाते में 870 रेटिंग पॉइंट्स हैं। वहीं, वनडे बैटर्स की रैंकिंग में शुभमन गिल टॉप पर बने हुए हैं।

हेड को खराब प्रदर्शन का नुकसान

डार्विन टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड केवल 22 और 17 रन ही बना सके। इस प्रदर्शन के कारण हेड पहले से चौथे स्थान पर आ गए हैं। उनके स्थान गंवाने का फायदा इंग्लैंड के हैरी ब्रूक को मिला, जिन्होंने टॉप पर वापसी कर ली है।ब्रूक के बाद इंग्लैंड के जो रूट दूसरे और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। टॉप 4 बल्लेबाजों के बीच केवल 33 रेटिंग पॉइंट्स का अंतर है।

गेंदबाजी में बुमराह नंबर-1 पर बरकरार

गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का दबदबा कायम है। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट में नहीं खेलने के बावजूद बुमराह टॉप पर बने हुए हैं।दूसरी ओर डार्विन टेस्ट में 9 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच बने बांग्लादेश के हसन महमूद 26 स्थान की लंबी छलांग लगाकर 38वें नंबर पर पहुंच गए हैं। दूसरी पारी में 5 विकेट लेने वाले मेहदी हसन मिराज 3 पायदान चढ़कर 24वें स्थान पर आ गए हैं।

जडेजा 2022 से टेस्ट के टॉप ऑलराउंडर

रवींद्र जडेजा टेस्ट ऑलराउंडर्स में टॉप पर हैं। वे पिछली बार 9 मई 2022 को टॉप पर आए थे। साउथ अफ्रीका के मार्को यानसन 344 पॉइंट के साथ दूसरे और बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज 320 पॉइंट के साथ तीसरे नंबर पर हैं।ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वे 270 पॉइंट के साथ चौथे नंबर पर खिसक गए हैं।

तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी का धमाकेदार प्रदर्शन

हैट्रिक सहित झटके कुल 7 विकेट

मुल्तान (एजेंसी)। मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए नेशनल चैंपियंस कप 2026 के फाइनल में पाकिस्तान गोल्ड के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी ने हैट्रिक लेकर पाकिस्तान ग्रीन्स की कमर तोड़ दी। शाहीन ने यह उपलब्धि ग्रीन्स की पारी के 38वें ओवर में हासिल की, जब उन्होंने लगातार गेंदों पर मेहरान मुमताज, सलमान मिर्जा और मोहम्मद हसनैन को आउट किया।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने उस ओवर की पहली ही गेंद पर मुमताज को तेज इन-डिपर से एलबीडब्ल्यू आउट किया। इसके बाद उन्होंने मिर्जा को धीमी गेंद से चकमा दिया, जिससे मिर्जा ने गेंद को हवा में उछाल दिया और गेंद सीधे गेंदबाज़ के हाथों में आसान कैच के रूप में चली गई। शाहीन ने हसनैन को जबरदस्त यॉर्कर डालकर अपनी हैट्रिक पूरी की। हसनैन गेंद को समझ नहीं पाए और गेंद सीधे उनके लेग स्टंप से जा टकराई। इस हैट्रिक के साथ शाहीन का नेशनल चैंपियंस कप 2026 के फाइनल में शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन पूरा हुआ। उन्होंने 8.3 ओवर में 7/36 के बेहतरीन आंकड़े दर्ज किए, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

शाहीन के शानदार प्रदर्शन में मुबाशिर खान, फैसल अकरम और साथी तेज गेंदबाज रजाउल्लाह का भी साथ मिला, जिससे गोल्ड टीम ने ग्रीन्स को 37.3 ओवर में 239 रन पर ऑल आउट कर दिया। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद शामिल हुसैन और साद खान के शतकों की बदौलत गोल्ड टीम ने 50 ओवर में 340 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। नेशनल चैंपियंस कप 2026 के फाइनल में गोल्ड के लिए मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज साद सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने 102 गेंदों पर तेज़ गति से 112 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और चार छक्के शामिल थे। उनके बाद हुसैन का नंबर रहा, जिन्होंने 93 गेंदों पर 111 रन बनाए; उनकी पारी में भी इतने ही चौके-छक्के शामिल थे। इनके अलावा, ओपनर मुहम्मद अखलाक (31) और मिडिल-ऑर्डर के बल्लेबाजों अब्दुल समद (25) और मुबाशिर खान (21) ने भी फाइनल मैच में गोल्ड के कुल स्कोर में अहम योगदान दिया।

अंधभक्त कहे जाने पर ईशा कोप्पिकर का जवाब

अगर देश से प्यार करना अंधभक्ति है तो मुझे गर्व है'

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने उन्हें दिए गए 'अंधभक्त' टैग पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अगर भारत से प्यार करना और उस पर विश्वास करना 'अंधभक्ति' कहलाता है, तो उन्हें इस लेबल को अपनाने में गर्व है। ईशा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह देशभक्ति, राष्ट्रवाद और देश के लिए कुछ करने की जरूरत पर बात करती नजर आईं। अभिनेत्री ने कहा, ''अगर अपने देश से प्यार करना, भारत पर विश्वास करना और उसकी तरक्की चाहना भक्ति है, तो हां, मुझे भक्त कहिए, अंधभक्त कहिए। लेकिन मेरी भक्ति किसी राजनीतिक पार्टी के लिए नहीं, बल्कि अपने देश, अपने भारत के लिए है। राष्ट्र सबसे पहले है।'' ईशा ने कहा, ''इंसान जहां रहता है, उसे उस जगह का सम्मान करना चाहिए और उसे बेहतर बनाने में अपना योगदान देना चाहिए। सिर्फ यह कह देना कि हमें अपने देश से प्यार है, देशभक्ति नहीं है। असली देशभक्ति तब है, जब कोई व्यक्ति अपने काम से देश को बेहतर बनाने की कोशिश करे।'' अभिनेत्री ने बच्चों का उदाहरण देते हुए आगे कहा, ''दो तरह के बच्चे होते हैं। एक बच्चा ऐसा होता है जो पूरी जिंदगी यह हिसाब लगाता रहता है कि उसके माता-पिता ने उसे क्या दिया और क्या नहीं दिया। वहीं दूसरा बच्चा ऐसा होता है जो माता-पिता से मिलने वाली चीजों को सिर्फ अपने तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उससे अपने माता-पिता की जिंदगी को भी बेहतर बनाने की कोशिश करता है।'' ईशा ने कहा, ''दोनों के बीच फर्क सिर्फ परिस्थितियों का नहीं, बल्कि सोच का है। इसी सोच को देश के लिए भी बदलने की जरूरत है। हमें हर समय यह पूछने के बजाय कि देश ने हमें क्या दिया, यह सोचना चाहिए कि हम देश को क्या दे सकते हैं। हमें यह विचार करना चाहिए कि अपने काम और सोच के जरिए भारत के लिए क्या बेहतर किया जा सकता है।'' अभिनेत्री ने आगे कहा, ''भारत बदल रहा है और अब समय आ गया है कि लोगों की सोच भी बदले। मेरी लोगों से अपील है कि वह नए भारत के निर्माण का हिस्सा बने। मुझे भक्त कहिए, अंधभक्त कहिए या राष्ट्रवादी कहिए, मैं अपने विचारों को लेकर पीछे नहीं हटूंगी।''

'परधा' प्रमोशन के दौरान रो पड़ी थीं अनुपमा

अनुपमा परमेश्वरन फिल्म 'परधा' के प्रमोशन के दौरान रोने लगीं थीं। उस वक्त उन्हें देखकर कई तरह की बातें कही गई थीं। कुछ लोगों ने इसे प्रमोशन का हिस्सा बताया था, तो कुछ ने कहा था कि वह सहानुभूति पाने की कोशिश कर रही हैं। ध्यान वर्मा के यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान अनुपमा ने कहा, 'सोचिए, स्टेज पर जाने से पहले आपका अपना बॉयफ्रेंड आपको शर्मिंदा करे। अपनी जिंदगी के दो वर्षों से मैं लगातार यह दिखाने की कोशिश कर रही थी कि मैं ठीक हूं।'अनुपमा ने कहा कि वह जैसी कैमरे के सामने दिखाई देती हैं, असल जिंदगी में भी वैसी ही हैं। वह किसी तरह का दिखावा नहीं करतीं। उन्होंने कहा, 'आप जिस इंसान से अभी बात कर रहे हैं, मैं हर जगह वही इंसान हूं। मैं कोई मास्क पहनकर घर से बाहर नहीं निकलती। पिछले दो वर्षों से मैं ठीक होने का दिखावा कर रही थी। लेकिन एक बार मैं ऐसा नहीं कर पाई।'

अपने फायदे के लिए किसी को नुकसान नहीं पहुंचाता : मुनव्वर फारूकी

अमेजन प्राइम वीडियो के पॉपुलर रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स 2' के पहले ही राउंड में कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी बाहर हो गए हैं, जिससे कई फैंस और दर्शक हैरान रह गए। शो से बाहर आकर उन्होंने इंटरव्यू में बताया कि वह खेल में रणनीति जरूर बनाते हैं लेकिन अपने फायदे के लिए दूसरे लोगों का इस्तेमाल करना उन्हें पसंद नहीं है। उन्होंने अपने खेलने के तरीके और शो को लेकर अपनी सोच खुलकर साझा की है। आईएएनएस से मुनव्वर ने कहा, 'मैं जिंदगी में भी काफी सोच-समझकर फैसले लेता हूं और रियलिटी शो में भी रणनीति के साथ आगे बढ़ता हूं। दोनों रियलिटी शो में मैंने शुरुआत से कोई खास योजना बनाकर खेल नहीं खेला। मैं परिस्थितियों को समझकर उसके हिसाब से फैसला लेने में भरोसा रखता हूं।जब किसी चुनौती या काम के लिए रणनीति की जरूरत पड़ती है, तभी मैं उस दिशा में सोचता हूं।' मुनव्वर ने कहा, ''मैं अपनी बात और अपने खेल पर भरोसा रखता हूं। मैं लोगों के साथ मिलकर खेल सकता हूं लेकिन सिर्फ अपने फायदे के लिए किसी को अपने हिसाब से चलाने की कोशिश नहीं करता। मेरे लिए खेल का मतलब सिर्फ खुद को बचाना या जीत हासिल करना नहीं है बल्कि इस दौरान दूसरों को बेवजह नुकसान से बचाना भी है।''

अपने खेलने के तरीके को समझाते हुए मुनव्वर ने कहा, 'अगर मैं किसी व्यक्ति को किसी फैसले के लिए प्रभावित करता हूं, तो मेरी कोशिश रहती है कि उसका फायदा उस व्यक्ति को भी मिले। अगर किसी काम में मुझे 80 प्रतिशत फायदा मिलता है, तो सामने वाले को भी 20 प्रतिशत फायदा मिलना चाहिए। मैं किसी दूसरे व्यक्ति के पूरे हिस्से को अपने फायदे के लिए नहीं लेना चाहता। मुनव्वर ने कहा, ''मैं अपनी वजह से किसी दूसरे व्यक्ति को नुकसान पहुंचाना नहीं चाहता। रणनीति बनाना और किसी के साथ चालाकी करना दो अलग-अलग चीजें हैं। मैं रणनीतिक तरीके से खेलना पसंद करता हूं लेकिन ऐसी रणनीति नहीं अपनाना चाहता जिससे किसी दूसरे प्रतियोगी को बिना वजह नुकसान हो।'' 'ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन में अपने अनुभव को याद करते हुए मुनव्वर ने कहा, ''जब मैं शो में पहुंचा था, तब मेरे पास कोई तय रणनीति नहीं थी। मेरा मकसद सिर्फ खेल को समझना और परिस्थिति के अनुसार आगे बढ़ना था। अगर मैं निर्दोष हूं, तो मेरा काम ट्रेटर को पहचानना और पकड़ना होगा।

सिद्धार्थ को मिली सबसे खास तारीफ !

ऑपरेशन सफेद सागर' के साथ सिद्धार्थ ने देशभक्ति से भरपूर एक दमदार कहानी पेश की है। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई इस सीरीज में सिद्धार्थ ने स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा का किरदार बेहद गंभीर और प्रभावशाली तरीके से निभाया है। उनके अभिनय को दिवंगत स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा के मामा से मिली तारीफ ने इसे और खास बना दिया है। एक शो के दौरान अजय आहूजा के मामा ने कहा, 'मैं एयर फोर्स से नहीं हूं, मैं एक आम नागरिक हूं। मैं अजय आहूजा का मामा हूं। सिद्धार्थ, जैसे ही मैंने टीजर देखा, एक झलक में मुझे लगा कि अजय कहां से आ गया! आज कपिल शो और नेटफ्लिक्स ने मेरे अजय को अमर कर दिया।' f

संक्षिप्त समाचार

भाजपा ने आप विधायक पर साधा निशाना, अनिल हत्याकांड में राजनीति करने का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली भाजपा के मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने आप विधायक

कुलदीप कुमार पर सफाईकर्मी अनिल की हत्या के मामले में करीब तीन दिन तक राजनीति करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि निजी कंपनी में कार्यरत अनिल की हत्या को आप ने दिल्ली सरकार और नगर निगम से जोड़ने का प्रयास किया। कपूर ने आरोप लगाया कि निजी कंपनी ने पहले ही दिन मृतक के परिवार को उचित मुआवजा देने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन विधायक ने राजनीतिक लाभ के लिए परिवार पर दबाव बनाया और दो दिन तक शव का पोस्टमार्टम नहीं होने दिया। विधायक के बयानों से क्षेत्र की कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की स्थिति बनी, जिसके बाद पुलिस उन्हें पूछताछ के लिए ले गई और कुछ घंटे बाद छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि इसके बाद आप नेताओं ने सितंबर 2024 में अमानतुल्लाह खान की गिरफ्तारी के बाद किए गए प्रदर्शन जैसा हंगामा किया। कपूर ने कुलदीप कुमार से दिल्ली की जनता और अनिल के परिजनों से माफी मांगने की मांग की। वहीं, महापौर प्रवेश वाही ने कहा कि कूड़ा उठाने वाली कंपनी को निर्देशित किया गया है कि 10 लाख रुपये का मुआवज पीड़ति परिवार को दें। साथ ही उनके स्थान पर एक अन्य कर्मी को भी नौकरी दें।

18300 फीट की ऊंचाई पर महिला कैडेटों का साहसिक अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को नई दिल्ली में एनसीसी के अखिल भारतीय बालिका अधिक ऊंचाई दुर्गम पदयात्रा

अभियान 'अपराजिता-परंग ला 2026' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अभियान में 28 महिला कैडेट हिस्सा ले रही हैं। करीब 30 दिन में दल हिमालय के दुर्गम इलाकों में लगभग 250 किलोमीटर की दूरी तय करेगा। अभियान का नेतृत्व तीनों सेनाओं की तीन महिला अधिकारी करेंगी। यह ट्रेक 5,578 मीटर (18,300 फीट) ऊंचे परंग ला दर्रे से होकर गुजरेगा, जो हिमाचल प्रदेश की स्पीति घाटी को लद्दाख के चांगथांग क्षेत्र से जोड़ता है। मार्ग में किब्बर, दुमला, थलटक, बोंगरोजेन, परंग ला, डाक कारज़ोंग, नोबू सुम्दो, कियांगडोम और कोरज़ोक जैसे दुर्गम क्षेत्र शामिल हैं। कैडेटों को ऊंचाई वाले रेगिस्तान, ग्लेशियर, बर्फीले मैदान और नदी घाटियों से गुजरना होगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि चुनौतीपूर्ण उच्च-ऊंचाई वाले अभियान में युवा लड़कियों की भागीदारी देश की नारी शक्ति के साहस, दृढ़ संकल्प और बढ़ती क्षमताओं का सशक्त प्रमाण है। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियान युवाओं में नेतृत्व, अनुशासन, मानसिक दृढ़ता और आत्मविश्वास विकसित करते हैं। राजनाथ सिंह ने कैडेटों से सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देने तथा स्थानीय समुदायों की संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि कैडेट परंग ला से केवल यादगार अनुभव ही नहीं, बल्कि अपनी आंतरिक शक्ति की गहरी समझ लेकर लौटेंगी। अभियान का उद्देश्य महिला कैडेटों में नेतृत्व, टीमवर्क, सहनशक्ति, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना है।

दिल्ली पीडब्ल्यूडी के अपने इंजीनियरिंग कैडर का रास्ता साफ, केंद्र को भेजा प्रस्ताव; भर्ती के लिए बनेगी नई व्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के लिए अपना इंजीनियरिंग कैडर गठित करने की दिशा में दिल्ली सरकार ने कदम आगे बढ़ा दिया है।

सरकार ने विभाग की ओर से तैयार प्रस्ताव को केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के पास मंजूरी के लिए भेजा है। केंद्र से अनापत्ति प्रमाणपत्र मिलने के बाद कैडर गठन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

केंद्र की मंजूरी आवश्यक लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने बताया कि स्वतंत्र कैडर के लिए केंद्र की मंजूरी आवश्यक है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद दिल्ली पीडब्ल्यूडी अपने इंजीनियरिंग कैडर के लिए भर्ती नियम तैयार करेगा। अधिकारियों की नियुक्ति के लिए परीक्षा आयोजित करने की व्यवस्था भी बनाई जाएगी। भर्ती नियम तैयार करने में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) या किसी अन्य पेशेवर संस्था से सलाह लेने की संभावना है। बता दें कि दिल्ली सरकार ने पिछले साल जुलाई में पीडब्ल्यूडी के लिए अलग कैडर बनाने की घोषणा की थी। इसके बाद विभाग ने

प्रस्ताव तैयार करने के साथ विभिन्न विभागों से जरूरी मंजूरियां लेने की प्रक्रिया शुरू की।

सरकार ने इस सुधार के तौर-तरीकों पर सुझाव देने के लिए विशेषज्ञों और सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारियों की समिति भी गठित की थी। सरकार का तर्क है कि मौजूदा व्यवस्था में दिल्ली पीडब्ल्यूडी में काम करने वाले कई अधिकारी सीपीडब्ल्यूडी के कैडर नियंत्रण में हैं। बार-बार तबादले और पदस्थापन से परियोजनाओं की निरंतरता प्रभावित होती है। सरकार के मुताबिक इससे सार्वजनिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में देरी, लागत बढ़ने और जवाबदेही से जुड़ी समस्याएं पैदा होती हैं। प्रस्ताव मंजूर होने पर दिल्ली पीडब्ल्यूडी में तैनात सीपीडब्ल्यूडी से प्रतिनियुक्त अधिकारियों को अपने मूल कैडर में लौटने अथवा निर्धारित शर्तों के तहत नए दिल्ली पीडब्ल्यूडी इंजीनियरिंग कैडर में स्थायी रूप से शामिल होने का विकल्प दिया जाएगा।

सफाई कर्मचारी हत्याकांड: एक करोड़ की मांग, मिले केवल 10 लाख; पूर्वी दिल्ली में सफाईकर्मियों का फिर काम बंद

नईदिल्ली, एजेंसी। कल्याणपुरी में सफाई कर्मचारी की हत्या के बाद तीन दिन तक सफाई व्यवस्था ठप रहने के बाद बुधवार को कर्मचारी काम पर लौटे थे, लेकिन मुआवजे को लेकर एक बार फिर विरोध शुरू हो गया। कर्मचारियों ने कम मुआवजा दिए जाने का आरोप लगाते हुए बुधवार सुबह सीबीडी ग्राउंड में प्रदर्शन किया और काम बंद रखने का निर्णय लिया। कर्मचारियों का कहना है कि कल्याणपुरी में मारे गए सफाई कर्मचारी के परिवार के लिए एक करोड़ रुपये मुआवजे की मांग की गई थी, लेकिन निगम की ओर से केवल 10 लाख रुपये दिए गए हैं। कर्मचारियों ने कहा कि परिवार को पर्याप्त आर्थिक सहायता मिलने तक उनका विरोध जारी रहेगा। तीन दिन की हड़ताल के बाद बुधवार को ही कूड़ा उठाने का काम शुरू हुआ था। इससे पहले तीन दिनों तक कूड़ा नहीं उठने के कारण यमुनापार के कई इलाकों में सड़कों और गलियों के किनारे कूड़े के ढेर जमा हो गए हैं। ऐसे में कर्मचारियों के दोबारा काम बंद करने से सफाई व्यवस्था फिर प्रभावित होने की आशंका है। जोनल चेयरमैन यशपाल कैन्तुरा का कहना है कि सफाई व्यवस्था को दो से तीन दिन में दुरुस्त करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, पहले से जमा कूड़े का बैकलॉग पूरी तरह उठाने में करीब एक सप्ताह लग सकता है।

दिल्ली के हरी नगर एक्सटेंशन में 20 दिन से दूषित पानी की समस्या

नईदिल्ली, एजेंसी। हरी नगर एक्सटेंशन के ए ब्लाक में पिछले करीब 20 दिनों से दूषित पानी की आपूर्ति होने के कारण लोग परेशान हैं। नलों से आने वाला पानी इतना गंदा है कि उसे घरेलू कामकाज में इस्तेमाल करना भी मुश्किल हो रहा है। पानी में गंदगी और बदबू की शिकायत के बाद भी समस्या का समाधान नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। दूषित पानी के इस्तेमाल से बच्चों, बुजुर्गों और अन्य लोगों के स्वास्थ्य पर असर पड़ने का डर बना हुआ है। लोगों ने दिल्ली जल बोर्ड से पाइपलाइन की जांच कराने और पानी की गुणवत्ता की जांच कर जल्द समस्या दूर करने की मांग की है। ए ब्लाक में 500 से अधिक घर हैं जिसमे दो हजार लोग रहते हैं। रोजाना गंदे पानी की आपूर्ति होने के कारण परिवारों को पीने के पानी के साथ-साथ खाना बनाने, कपड़े धोने और अन्य जरूरी कामों के लिए भी बाहर से पानी मंगाना पड़ रहा है। इससे लोगों का अतिरिक्त पैसा खर्च हो रहा है। लोगों ने बताया कि तीन तीन दिन तक पानी नहीं आता है , पानी आता है तो गंदा आता है। कई बार टंकिया साफ करानी पड़ती है लेकिन उसके बाद भी दूसरे दिन गंदा पानी आते है दोबारा टंकी गंदी हो जाती

है। जान पानी आता है पानी चलते है घर में भी दुर्गंध फैल जाती है। करीब 20 दिनों से नलों में साफ पानी नहीं आ रहा है। पानी में गंदगी और बदबू रहती है, इसलिए मजबूरी में बाहर से पानी खरीदना पड़ रहा है। पानी की समस्या ने रोजमर्रा का जीवन मुश्किल कर दिया है। घर के काम के लिए भी पानी खरीदना पड़ रहा है, जिससे हर परिवार पर अतिरिक्त खर्च बढ़ गया है। गंदे पानी को देखकर बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता होती है। अगर यही पानी लगातार आता रहा तो बीमारी फैलने का खतरा बढ़ सकता है। दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को मौके पर आकर पाइपलाइन की जांच करनी चाहिए।

रिश्तों से परे इंसानियत: चार राज्यों के 4 परिवारों ने एक-दूसरे को किडनी दान कर बचाई जान

नई दिल्ली, एजेंसी। रिश्तों और भौगोलिक सीमाओं से आगे बढ़कर अलग-अलग राज्यों के चार परिवारों ने एक-दूसरे के मरीजों की जिंदगी बचाने के लिए किडनी दान की। परिवार

के किसी डोनर की किडनी अपने मरीज से मेल नहीं खा रही थी, इसलिए पेयर एक्सचेंज के जरिये सभी चार मरीजों के लिए उपयुक्त किडनी की व्यवस्था की गई।

मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल साकेत का दानवा है कि फोर-वे पेयर किडनी एक्सचेंज ट्रांसप्लांट का यह उत्तर भारत का पहला मामला है। चार परिवारों को एक ही एक्सचेंज में जोड़ने के लिए अनुमति की प्रक्रिया में दिल्ली हाई कोर्ट भी जाना पड़ा। मैक्स के प्रो. डा. दिनेश खुल्लर और प्रो. डा. अनंत कुमार के नेतृत्व में मैक्स साकेत तथा बीएलके-मैक्स की टीम ने इस प्रक्रिया को पूरा किया। अस्पताल के अनुसार सभी चार मरीज और डोनर पूरी तरह से स्वस्थ हैं और सभी को अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। मैक्स अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार 13 जुलाई को एक साथ पांच आपरेशन थिएटर में सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक कुल आठ सर्जरी चार डोनरों से किडनी निकालने और चार मरीजों में किडनी प्रत्यारोपित करने के लिए की गई। मरीज और डोनर की सही जोड़ी बनाने के लिए एलायंस फार पेयर्ड किडनी डोनेशन (एपीकेडी) साफ्टवेयर की मदद ली गई। नागालैंड की 34 वर्षीय त्सुत्संगला पोंगेन को दूसरी बार किडनी ट्रांसप्लांट की आवश्यकता थी, लेकिन उनके भाई एरिकोकबा की किडनी उनके शरीर में बनी एंटीबाडी के कारण प्रत्यारोपित नहीं की जा सकती थी। जम्मू-कश्मीर के 47 वर्षीय अब्दुल रऊफ भट और उनकी बहन नाजनीन रहमान की किडनी का मैच नहीं था। दिल्ली की 46 वर्षीय शिवानी खुराना को उनके पति वरुण खुराना चिकित्सकीय कारणों से किडनी नहीं दे पा रहे थे। बिहार के 34 वर्षीय लाल बहादुर और उनकी पत्नी निधि कुमारी का ब्लड ग्रुप मेल नहीं खाता था। वरुण खुराना ने नागालैंड की त्सुत्संगला पोंगेन को किडनी दी। नागालैंड के एरिकोकबा पोंगेन ने बिहार के लाल बहादुर को, बिहार की निधि कुमारी ने जम्मू-कश्मीर के अब्दुल रऊफ भट को तथा जम्मू-कश्मीर की नाजनीन रहमान भट ने दिल्ली की शिवानी खुराना को किडनी दी।

पत्नी बुशरा बीबी और बहन से 9 महीने में पहली बार मिले इमरान खान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में 9 महीने के लंबे अंतराल के बाद पहली बार अपनी पत्नी बुशरा बीबी और बहन से मुलाकात की।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा इमरान खान की गिरती सेहत पर चिंता जताए जाने और परिजनों को हर हफ्ते मिलने की अनुमति दिए जाने के बाद यह मुलाकात संभव हो सकी।

कॉफ्रेंस रूम में 15 मिनट हुई बातचीत

पाकिस्तान अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, इमरान खान की बहन नोरिन नियाजी ने जेल के कॉन्फ्रेंस रूम में उनसे करीब 15 मिनट तक बातचीत की। इस दौरान दोनों के बीच खान के स्वास्थ्य और कानूनी स्थिति पर चर्चा हुई। बहन नोरिन ने इमरान खान को सुप्रीम कोर्ट के आदेश की जानकारी भी दी। कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया है कि इमरान खान को दो दिनों के भीतर मेडिकल जांच के लिए इस्लामाबाद के शिफा इंटरनेशनल अस्पताल ले जाया जाए और 16 सितंबर तक वहीं रखा जाए।

राजनीतिक बयानबाजी पर सख्त हिदायत

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट आदेश दिया है कि इस मुलाकात का इस्तेमाल किसी भी तरह के राजनीतिक फायदे या बयानबाजी के लिए नहीं किया जाएगा। चेतावनी दी गई है कि नियम का उल्लंघन होने पर दी गई राहत वापस ली

जा सकती है।

यही वजह रही कि खान की अन्य बहनों, अलीमा खान, उजमा खान और उनकी पार्टी के शीर्ष नेताओं को मिलने की अनुमति नहीं दी गई।

पत्नी बुशरा बीबी से भी हुई मुलाकात

जेल सूत्रों के मुताबिक, इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के बीच भी कॉन्फ्रेंस रूम में करीब 35 से 40 मिनट तक मुलाकात हुई। इसके अलावा, बुशरा बीबी ने अपनी पहली शादी से हुए बच्चों और अपनी ननद मेहरुन्निसा से भी अलग से मुलाकात की।

गौरतलब है कि इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं और अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में 14 साल की सजा काट रहे हैं। अदालत अब 16 सितंबर को खान के निजी अस्पताल में इलाज की याचिकाओं पर दोबारा सुनवाई करेगी।

बड़े विरोध प्रदर्शन के बाद आदेश

बता दें कि पाकिस्तानी कोर्ट का यह आदेश ऐसे समय में आया है जब खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने चेतावनी दी थी कि यदि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को उनके परिवार और निजी डॉक्टरों से मिलने नहीं दिया गया, तो बड़ा विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

इमरान खान की मेडिकल रिपोर्ट में क्या सामने आया?

अदियाला जेल के अधीक्षक द्वारा सुप्रीम कोर्ट में सौंपी गई रिपोर्ट के अनुसार, 73 वर्षीय इमरान खान का स्वास्थ्य चिंता का विषय बना हुआ है। रिपोर्ट में इमरान खान में एंग्जाइटी और पैनिक के गंभीर लक्षण बताए गए हैं। उनकी एंग्जाइटी का स्तर %श्री प्लस% दर्ज किया गया है, जिसे मनोवैज्ञानिक रूप से बेहद गंभीर माना जाता है। मेडिकल जांच के दौरान उनका ब्लड प्रेशर 140/80 और पल्स रेट 54 प्रति मिनट दर्ज की गई। उनकी ईसीजी सामान्य पाई गई है और दिल के वाल्व व चैंबर भी ठीक हैं। हालांकि, उन्होंने सिर में भारीपन और दिल की धड़कन तेज होने की शिकायत की थी। इतना ही नहीं रिपोर्ट के अनुसार, उनकी एक आंख का इलाज नेत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा किया गया है और वह अब लगभग सामान्य हो चुकी है।

मेडिकल बोर्ड ने इमरान खान से क्या सिफारिशें की?

इस बात को ऐसे समझिए कि मेडिकल बोर्ड ने इमरान खान को प्रतिदिन एक घंटा टहलने, मानसिक रूप से तनावमुक्त रहने वाली गतिविधियां करने और पढ़ने के लिए किताबें, समाचार पत्र व पत्रिकाएं उपलब्ध कराने की सिफारिश की है। बोर्ड का मानना है कि परिवार और पत्नी के साथ मेल-जोल बढ़ाने से उनकी एंग्जाइटी और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। मनोवैज्ञानिक डॉ. रियाज भट्टी ने इस स्थिति पर बात करते हुए बताया कि एंग्जाइटी का स्तर तीन से अधिक होना गंभीर चिंता और घबराहट की स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लंबे समय तक एकांतवास और लोगों से मेल-जोल न होने के कारण यह तनाव और अधिक बढ़ जाता है। इस कारण व्यक्ति निराश और अवसादग्रस्त महसूस कर सकता है। इसका एकमात्र समाधान यही है कि रोगी को अपनों से बातचीत करने का अवसर दिया जाए और उसके आसपास का माहौल सकारात्मक बनाया जाए।

पिया डांडिया ने फ्लोरिडा में डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राइमरी चुनाव जीता

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल की अमेरिकी और स्कूल की पूर्व प्रिंसिपल पिया डांडिया ने फ्लोरिडा के 22वें कांग्रेस क्षेत्र के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राथमिक चुनाव जीत लिया है। अब नवंबर में होने वाले चुनाव में उनका मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी के कैसी असकर से होगा। कैसी असकर पूर्व नौसैनिक हैं। डांडिया को 68.6 फीसदी मत मिले। उन्होंने वकील कायसिया अर्ली को हराया, जिन्हें 31.4 फीसदी मत मिले।

डांडिया ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, फ्लारिडा-22, इस अभियान पर विश्वास करने के लिए धन्यवाद। मैं अपने छात्रों, अपने बेटे और इस जिले में बड़े हो रहे हर उस बच्चे के लिए चुनाव में उतरी, जो बेहतर भविष्य का हकदार है। उन्होंने कहा, साथ मिलकर हम खर्च कम करने, भ्रष्टाचार खत्म करने और वॉशिंगटन को फिर से हमारे लिए काम करने वाला बनाने के अभियान को आगे बढ़ाएंगे। मैं आप सभी के साथ यह करने के लिए आभारी हूं। डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी (डीएनसी) ने प्राथमिक चुनाव में डांडिया की जीत पर उन्हें बधाई दी। कमेटी ने एक बयान में कहा, एक शिक्षिका और अपने समुदाय में लंबे समय से नेतृत्व करने वाली पिया ने लोगों के लिए नए अवसर बढ़ाने और कामकाजी परिवारों के लिए लड़ने के लिए खुद को समर्पित किया है। वह दक्षिण फ्लोरिडा के परिवारों के लिए किराने का

सामान, स्वास्थ्य सेवाओं और घर की लागत कम करने के लिए कांग्रेस में लड़ने के लिए तैयार हैं। बयान में कहा गया, डीएनसी पिया को जिताने, इस सीट को पलटने और नवंबर में सदन में बहुमत वापस लाने में मदद करने के लिए तैयार है।

भारत से अमेरिका जाकर बसे माता-पिता की बेटी डांडिया ने इससे पहले फ्लोरिडा के 21वें जिले से रिपब्लिकन पार्टी के ब्रायन मास्ट को चुनौती देने की कोशिश की थी। ब्रायन मास्ट विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष हैं। हाई स्कूल की पूर्व प्रिंसिपल डांडिया बाद में दक्षिण फ्लोरिडा के 22वें जिले में चली गईं। यह सीट चुनावी क्षेत्र के नए परिसीमन में बनाई गई थी और यहां कोई मौजूदा सांसद चुनाव मैदान में नहीं था।

पिया डांडिया कौन हैं

उनके चुनाव अभियान की वेबसाइट के अनुसार, डांडिया पहली पीढ़ी की अमेरिकी हैं। उन्होंने हाई स्कूल प्रिंसिपल, नीति क्षेत्र की नेता और तकनीक के क्षेत्र में नई पहल करने वाली शख्सियत के तौर पर समुदायों को मजबूत बनाने के लिए अपना पूरा करियर समर्पित किया है। डांडिया का जन्म और पालन-पोषण फ्लोरिडा के पाम बीच काउंटी में हुआ। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक शिक्षिका के रूप में की और हार्लेम में हाई स्कूल प्रिंसिपल रहीं। उन्होंने कम आय वाले छात्रों की जिंदगी की दिशा बदलने के मकसद से एक हाई स्कूल की स्थापना की। उनका लक्ष्य छात्रों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की राह पर लाना था। उनके हाई स्कूल से पढ़ने वाले हर एक छात्र को कॉलेज में दाखिला मिला। इनमें से 86 प्रतिशत छात्र कम आय वाले परिवारों से आते थे। अभियान की वेबसाइट के अनुसार, वह 28 साल की उम्र में अपने स्कूल की संस्थापक बनी थीं। इस वजह से वह देश की सबसे कम उम्र की हाई स्कूल प्रिंसिपलों में से एक थीं।

टेक्सास में मुस्लिमों के खिलाफ बढ़ती नफरत से बढ़ी दहशत, बदलते माहौल में क्या है डर की वजह

टेक्सास, एजेंसी। टेक्सास में मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों का कहना है कि पिछले कुछ समय में उनके खिलाफ नफरती बयानबाजी और विरोध की घटनाएं बढ़ी हैं। डलास के आसपास के इलाकों में दक्षिणपंथी नेताओं की बयानबाजी ने इस चिंता को और बढ़ाया है। कई मुस्लिम परिवारों का कहना है कि वे बेहतर स्कूल, किफायती घर और मजबूत समुदाय की तलाश में टेक्सास आए थे, लेकिन अब बदलते माहौल को लेकर असुरक्षा महसूस कर रहे हैं।

गुलाम केहर दो महीने पहले सुबह जल्दी उठकर टेक्सास के इविंग स्थित मस्जिद में नमाज पढ़ने गए थे। इसके बाद वह अमेरिकी तटरक्षक बल के महीनों लंबे अभियान में सेवाएं देने के लिए रवाना हुए। वह पहले भी ऐसे अभियानों में हिस्सा ले चुके थे, लेकिन इस बार घर से निकलते समय उन्हें परिवार की चिंता सता रही थी। उन्होंने ऐसी व्यवस्था करने की कोशिश की कि जरूरत पड़ने पर कनाडाई सीमा के पास मौजूद अपने तैनाती स्थल तक परिवार पहुंच सके।

मुस्लिम आबादी बढ़ने के साथ क्या बदला

टेक्सास में मुस्लिम आबादी पिछले वर्षों में बढ़ी है। डलास-फोर्ट वर्थ महानगर क्षेत्र में 2024 में मुस्लिम आबादी करीब 1.59 लाख बताई गई, जबकि एक दशक पहले यह संख्या लगभग 79 हजार थी। टेक्सास में मुस्लिमों की कुल संख्या तीन से पांच लाख के बीच होने का अनुमान है। राज्य की कुल आबादी में उनका हिस्सा करीब एक से दो प्रतिशत बताया जाता है। हालांकि, अमेरिका की जनगणना में धर्म से जुड़ा सवाल नहीं पूछा जाता, इसलिए सटीक संख्या उपलब्ध नहीं है।

टेक्सास में कट्टरपंथी इस्लाम का विरोध लंबे समय से रिपब्लिकन राजनीति का हिस्सा रहा है। लेकिन मुस्लिम आबादी बढ़ने के साथ इस विरोध को लेकर बहस भी तेज हुई है। न्यूयॉर्क में जोहरान ममदानी के मेयर बनने और मिशिगन में सीनेट के लिए अब्दुल एल-सईद जैसे मुस्लिम नेताओं की राजनीतिक सफलता ने भी राष्ट्रीय स्तर पर इस समुदाय को लेकर चर्चा बढ़ाई है। मुस्लिम नेताओं का कहना है कि इससे राजनीतिक बयानबाजी का असर स्थानीय स्तर पर भी दिखाई दे रहा है। टेक्सास सरकार पर क्या आरोप लगाए जा रहे हैं

मुस्लिम संगठनों का आरोप है कि मामला केवल नेताओं की बयानबाजी तक सीमित नहीं है। उनके मुताबिक, टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट और अटॉर्नी जनरल केन पैक्सटन जैसे नेताओं ने कुछ मुस्लिम संस्थाओं की जांच शुरू की है। एबॉट ने उन हवाईअड्डों की सरकारी फंडिंग रोकने की धमकी भी दी, जहां मुस्लिम यात्रियों के लिए वजू की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इन कदमों को लेकर मुस्लिम समुदाय में चिंता बढ़ी है।

कुछ मामलों में मुस्लिम समुदाय के लोगों को सीधे धमकियों और विरोध का सामना करना पड़ा। ह्यूस्टन के एक इस्लामिक सेंटर को धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। कॉनरो में एक महिला ने एक किराने की दुकान पर मुस्लिम ग्राहकों से कथित तौर पर कहा कि इस राज्य या देश में उनका स्वागत नहीं है। मैककिने में एक मस्जिद के विस्तार से जुड़ी सिटी काउंसिल की बैठक में भी मुस्लिम विरोधी संदेश के साथ एक घटना सामने आई।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा। डाक पंजीकरण संख्या-MP/IDC/1619/2024-2026

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।